हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–295 : जौनपुर, शनिवार 05 मार्च फरवरी 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

पप्पू की चाय गोयल का पान और पैदल सैर : मोदी की झलक पाने के लिए ट्रैक पर कूदे लोग

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर देर रात पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने बीच पाकर रेल यात्रियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। देर रात अपने संसदीय क्षेत्र के भ्रमण पर निकले पीएम मोदी कैंट स्टेशन का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने एग्जीक्यूटिव लाउंज की व्यवस्था देखी और यात्रियों की सुविधाओं और उनके सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाली चीजों के बारे में जानकारी ली। शुक्रवार की देर रात को यात्रियों ने जब पीएम को अचानक सामने देखा तो सभी ने मोदी–मोदी के नारे भी लगाए। पीएम के साथ तस्वीर लेने और उनका वीडियो बनाने की होड़ लगी रही। पीएम एग्जीक्यूटिव लांज में गए और कर्मचारियों से बात की। लाउंज के निदेशक कुशाग्र ने बताया कि प्रधानमंत्री ने पूरे लाउंज का भ्रमण किया और तस्वीरें देखीं।लाउंज के कर्मचारी से बात की और ग्राहकों की पसंद के बारे में पूछा। इस दौरान प्रधानमंत्री ने वोकल फॉर लोकल में लगाई गई बनारसी साड़ी और लकड़ी से बने खिलौने देखे। सराहना करते हुए लाउंज से बाहर निकले। इसके बाद यात्रियों को नमस्कार करते हुए यात्री हॉल से बाहर निकलकर खिड़किया घाट के लिए रवाना हो गए। पीएम की झलक पाने के लिए ट्रैक पर कूद गए यात्री प्रधानमंत्री ने जैसे ही यात्री हॉल में प्रवेश किया, वैसे ही पूरे स्टेशन पर हलचल मच गई। कई यात्री जो अन्य प्लेटफार्म पर थे। भागते हुए रेलवे ट्रैक पर कूद गए और ट्रैक पार कर प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंचकर सेल्फी लेने में जुट गए। हालांकि इस दौरान ट्रैक खाली था। खिड़किया घाट पर पैदल ही घूमे पीएम प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार देर रात 11:20 बजे खिड़किया घाट पहुंचे। घाट पर पर्यटकों के लिहाज से बनने वाली सुविधाओं और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। कुछ दूर तक प्रधानमंत्री ने पैदल चलकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पीएम के लिए गोल्फ कार्ट लाई गई थी, लेकिन वह उसमें नहीं बैठे। पीएम ने कार्यदायी संस्था और मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल से जानकारी ली। पीएम 11:40 बजे खिड़किया घाट से बरेका के लिए रवाना हो गए। अदरक वाली चाय पीकर पीएम निकले काशी भ्रमण पर रोड शो के बाद प्रधानमंत्री बरेका गेस्ट हाउस पहुंचे। भाजपा के नेताओं

से मुलाकात करने के बाद उन्होंने अदरक वाली चाय पी। हल्का नाश्ता लेने के लगभग दो घंटे बाद उनका काफिला मंडुवाडीह चौराहे से होते हुए लहरतारा से कैंट की तरफ निकल गया। चाय के बाद घुलाया गोपाल का मीठा पान पप्पू की दुकान पर चाय पीने के बाद बगल में गोपाल के पान की दुकान को देखते ही प्रधानमंत्री रुक गए और बनारसी पान खाने के लिए बढ़े। गोपाल से उनके व्यवसाय के बारे में जाना और कहा कि मीठा पान खिलाइए। इस दौरान प्रधानमंत्री ने मजाकिया लहजे में कहा कि गोपालजी चूना मत लगाइएगा। गोपाल ने उन्हें बिना चूने का पान खिलाया। निकलते वक्त प्रधानमंत्री ने गोपाल और उनके परिवार की कुशलक्षेम पूछी।काशी में उत्सव जैसा माहौल पीएम के रोड शो से बनारस सहित आसपास के कई जिलों में माहौल उत्सव जैसा हो गया है। मतदान के महापर्व में पीएम की ओर से बनाए गए उत्सवी माहौल का असर भाजपा को बूथों पर दिखने की उम्मीद है। काशी में उत्सव जैसा माहौल पीएम के रोड शो से बनारस सहित आसपास के कई जिलों में माहौल उत्सव जैसा हो गया है। मतदान के महापर्व में पीएम की ओर से बनाए गए उत्सवी माहौल का असर भाजपा को बूथों पर दिखने की उम्मीद है।

मुरादाबाद में दंपती की हत्या : खेत में पड़ा मिल दोनों का शव

मुरादाबाद ब्यूरो : मुरादाबाद के छजलैट थाना इलाके के मथाना गांव से डेढ़ किलोमीटर दूर शुक्रवार शाम खेत में दंपती के रक्तरंजित शव मिले तो सनसनी फैल गई। शुक्रवार सुबह दोनों अपने खेत में गन्ना छीलने गए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर जांच पड़ताल की। एसएसपी और एसपी देहात ने भी मौका मुआयना किया है। पुलिस भी हत्या की आशंका जता रही है। पुलिस के मुताबिक, छजलैट थानाक्षेत्र के मथाना निवासी वृद्ध खानचंद्र सिंह (65) किसान थे। रोज की तरह शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे खानचंद्र और अपनी पत्नी बबली उर्फ बल्लो (55) अपने खेत पर गन्ने की छिलाई करने के लिए गए थे, लेकिन दोपहर में वह खाना खाने के लिए घर नहीं आए। जिस पर उनकी छोटी पुत्रवधू सरिता को चिंता हुई। उसने मुरादाबाद में सिक्योरिटी गार्ड की ड्यूटी कर रहे अपने पति जयपाल सिंह को फोन पर इस बारे में बताया। जिसके बाद जयपाल भी मुरादाबाद से सीधे खेत पर पहुंच गया। उसने यहां देखा कि पिता खानचंद्र और मां बबली उर्फ बल्लो के रक्त रंजित शव पड़े थे। दोनों के मुंह और नाक से खून निकल रहा था। चेहरे पर भी चोट के निशान हैं। जयपाल की चीख पुकार सुनकर आस पड़ोस के खेतों में काम कर रहे लोग आ गए। पति पत्नी के शव मिलने की सूचना छजलैट पुलिस को दी गई। सीओ महेशचंद्र गौतम, छजलैट थानाध्यक्ष राम प्रताप सिंह भी फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंच गए और मौका मुआयना किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। एसएसपी बबलू कुमार, एसपी देहात विद्या सागर मिश्र ने भी घटना स्थल का मुआयना किया है। अफसरों ने फोरेंसिक टीम भी मौके पर बुला ली। टीम ने घटनास्थल से नमूने लिए हैं। वृद्ध दंपति की मौत कैसे हुए है पुलिस अभी इस स्थिति को स्पष्ट नहीं कर पा रही है। एसपी देहात ने बताया कि दोनों के शव रक्तरंजित हालत में मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही पता चलेगा कि चोटों के निशान किसी हथियार के हमले के हैं या फिर किसी जानवर ने हमला किया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। घर से करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर है खेत शुक्रवार की शाम वृद्ध दंपती के शव जिस खेत में मिले हैं। वह उनके घर से करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बताया गया है कि दंपती के पास करीब 17 बीघा कृषि भूमि है। खानचंद्र और उनकी पत्नी बबली उर्फ बल्लो हर रोज अपने खेत पर गन्ने की छिलाई करने और पशुओं के लिए चारा लेने के लिए जाते थे। शुक्रवार की सुबह भी दोनों करीब आठ बजे खेत पर गए थे। खानचंद्र की जेब से मिले सात हजार रुपये अपने ही गन्ने के खेत में मृत पड़े मिले छजलैट थाना क्षेत्र के गांव मथाना निवासी किसान खानचंद्र की जेब से पुलिस को सात हजार रुपये मिले हैं, साथ ही उनकी पत्नी द्वारा पहने हुए कुंडल व अन्य आभूषण भी ऐसे ही मिले हैं। इससे एक बात तो साफ है कि यदि वृद्ध दपंती की हत्या हुई है तो यह लूट के इरादे से नहीं की गई है। कई घंटे पहले की लग रही घटना गन्ने के खेत में मिले वृद्ध दंपती के शव में काफी अकड़ चुके थे। पुलिस के अनुसार दोनों के मुंह और नाक से खून निकल रहा था। सीओ महेशचंद्र गौतम का कहना है कि दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद भी मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। दंपती के दो बेटे और दो बेटियां दंपती के दो बेटे और दो बेटियां हैं। चारों की शादी हो चुकी है। बड़ा बेटा बृजपाल सिंह और छोटा बेटा जयपाल सिंह दोनों की मुरादाबाद की एक निजी फर्म में सिक्योरटी गार्ड की नौकरी करते हैं। शुक्रवार को भी दोनों ड्यूटी पर थे। किसान खानचंद्र और उनकी पत्नी बबली उर्फ बल्लो की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

मतदान केन्द्र के अन्दर फोन पकड़े जाने पर निर्वाचन की गोपनीयता भंग करने के तहत दर्ज होगा एफ.आई.आर.

जौनपुर सू.वि. : विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 को शांतिपूर्ण एवं सूचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने हेतु जनपद में 12 मार्च 2022 तक दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा 144 लागू हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता एवं मतदान से पूर्व अंतिम 72 घंटो से लेकर मतगणना तक की एस0ओ0पी0 जारी की गई है, चूंकि स्थानीय अभिसूचना एवं परीक्षण के अनुसार कुछ ऐसी गतिविधियां है जिन पर नियंत्रण मतदान व्यवस्था को शांतिपूर्ण बनाए रखने हेतु आवश्यक है, जिसके क्रम में मतदान के दिन/यदि कोई पुनर्मतदान आवश्यक हो तो उसके समाप्ति तक पूरे जनपद जौनपुर में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निम्न प्रतिबंध लागू रहेगा। किसी भी निर्वाचन बूथ के 100 मीटर सीमा में किसी भी प्रकार का मोबाइल फोन कैमरा या अन्य कोई इलेक्ट्रॉनिक यंत्र ले जाना वर्जित होगा। निर्वाचन कार्मिक/अधिकारी एवं पास धारक पत्रकार पास की शर्त के अनुसार इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे, विशेषकर एजेंट और मतदाता मोबाइल फोन या कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर बूथ के 100 मीटर परिधि में नहीं जायेगे। किसी मतदाता और एजेंट को बूथ पर फोन ले जाने की अनुमति नही है बूथ के अंदर फोन पकड़े जाने पर निर्वाचन की गोपनीयता भंग करने की धारा के तहत एफ.आई.आर दर्ज की जायेगी। सभी गृह स्वागियों/भवन स्वागियों को निर्देश दिये जाते है कि मतदान के दिन उनके गृह/अहाते/भवन में मात्र उनके परिजन/सेवक ही रहेंगे। किसी भी भवन में बाहरी व्यक्ति (जो अन्य दिवसों पर उस भवन में नही रहते हैं) को मतदान के समय भीड़ लगाने की अनुमति नहीं दी जायेगी। सभी निजी वाहन धारकों द्वारा अपने वाहन का प्रयोग मात्र अपने स्वयं के परिजनों के परिवहन हेतु प्रयोग किया जायेगा, न कि सार्वजनिक परिवहन हेतु। इस हेतु चेकिंग में पुलिस/ मजिस्ट्रेट का सहयोग करना अनिवार्य है। मतदेय स्थल के 200 मीटर की परिधि में निजी वाहनों का प्रयोग अनुमन्य नही होगा। दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत शासकीय अधिकारियों को जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है, एवं उन्हे विधि व्यवस्था के अन्तर्गत कार्यपालक मजिस्ट्रेट की सभी शक्ति प्रदान की गयी है। अतः स्थालीय आवश्यकतानुसार यह मजिस्ट्रेट स्थानीय स्तर पर आवागमन, ठहराव, आचरण एवं किसी अन्य व्यवस्था के नियंत्रण ले करके अपने जोन/ सेक्टर में लिखित या मौखिक (वीडियोग्राफी सहित) रूप से आदेश कर सकते है। इन व्यवस्थाओं का पालन भी अनिवार्य होगा। मतदान के दिन मतदान स्थल पर या मतदान केन्द्रों के पास पहचान पर्ची वितरण के रूप में पोस्टर, बैनर, प्रतीक या किसी भी अन्य प्रचार सामाग्री का प्रदर्शन नहीं किया जायेगा। किसी भी स्थान पर 05 या 05 से अधिक व्यक्ति इस रूप में एकत्र नहीं होंगे कि उससे शान्ति व्यवस्था शंग होने की सम्भावना हो।

मथुरा में सनसनीखेज वारदातः घर के लिए पिता की हत्या : रजाई में लाश लपेटकर लगा दी आग

मथुरा ब्यूरो : मथुरा में शनिवार सुबह हत्या की ऐसी वारदात हुई, जिसका पता चलने पर इलाके के लोगों का कलेजा कांप गया। थाना हाईवे क्षेत्र के गांव नरहौली में एक युवक ने अपने पिता की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को रजाई में लपेटकर आग लगा दी। सूचना मिलने के बाद जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक शव बुरी तरह जल चुका था। पुलिस ने अधजले शव को कब्जे में लिया। आरोपी युवक को भी हिरासत में लिया गया है। गांव नरहौली में शनिवार की सुबह गांव के अमृत लाल (55 वर्षीय) का शव कमरे में जलता मिला। पड़ोसियों ने धुंआ उठता देखकर पुलिस को सूचना दी। इस मामले में पुलिस ने मृतक के बेटे विनीत को हिरासत में लिया है। एसपी सिटी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने बताया कि आरोपी विनीत मकान बेचना चाहता था, जिसका पिता विरोध कर रहा था। इसके चलते उसने अपने पिता की हत्या कर दी। इसके बाद कमरे में ही शव को रजाई में लपेटकर जला दिया। घटना के वक्त घर में पिता–पुत्र ही थे पुलिस ने घटना के संबंध में आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई है।

एसपी सिटी के अनुसार दो दिन पहले विनीत का पिता से झगड़ा हुआ था। इसके चलते उसकी मां आशा अपनी बेटी को लेकर आगरा के खंदौली मायके चली गई। घर में केवल पिता और पुत्र थे। मृतक के तीन बेटी और दो बेटे थे। इनमें से एक बेटे की बीमारी के चलते मौत हो चुकी है, वहीं दो बेटियों का विवाह हो चुका है। घटना की सूचना पर मृतक की पत्नी पहुंच गई है।

पूर्वांचल में आज शाम थम जाएगा चुनाव प्रचार : वाराणसी समेत 9 जिलों की 54 सीटों पर सियासी घमासान

वाराणसी ब्यूरो : पूर्वांचल में सातवें चरण के मतदान से 48 घंटे पहले शनिवार को शाम पांच बजे चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा। वाराणसी सहित सोनभद्र, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, गाजीपुर, चंदौली और भदोही की 54 सीटों पर सात मार्च को मतदान के लिए तैयारियां प्रशासन ही नहीं सियासी दल भी कर रहे हैं। इसके लिए पूर्व से ही चुनावी रैलियों का दौर शुरू हो चुका है। आज शाम चुनाव–प्रचार थमने के बाद मतदान के लिए प्रशासन की जिम्मेदारी शुरू हो जाएगी। राजनीतिक दलों के स्टार प्रचारक, मंत्री, नेता सहित अन्य बाहरी लोगों को शहर छोड़ना होगा। अंतिम दिन सभी राजनीतिक दल और प्रत्याशी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में हैं। मतदान की तारीख करीब होने से सियासी सूरमाओं की धड़कने भी तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, शनिवार शाम पांच बजे के बाद जनसभा, रोड शो सहित अन्य तरह के चुनाव प्रचार से संबंधित आयोजन नहीं किए जा सकेंगे। ऐसे में प्रत्याशी, समर्थकों और अपने खास लोगों के जरिये मतदाताओं तक पहुंचने में जुटे हैं। वहीं वाराणसी के लंका क्षेत्र में प्रियंका गांधी रोड शो करेंगी। वाराणसी में 1248 मतदान केंद्रों पर होगी वोटिंग सात मार्च को वाराणसी के आठ विधानसभा क्षेत्रों में सुबह सात बजे से पोलिंग बूथों पर मतदान शुरू होगा। शाम छह बजे तक मतदान होगा। निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमोदित 1248 मतदान केंद्रों के 3371 मतदेय स्थलों पर मतदाता अपने मतदान डालेंगे। प्रत्याशी नियुक्त कर सकते हैं पोलिंग एजेंट जिला निर्वाचन अधिकारी कौशल राज शर्मा द्वारा शुक्रवार को जारी निर्देश में कहा कि प्रत्याशी पोलिंग एजेंट नियुक्त कर सकते हैं। यदि किसी उम्मीदवार को उस मतदेय स्थल या पड़ोसी मतदेय स्थल का पोलिंग एजेंट नहीं मिलता है, तो वो उस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के किसी मतदाता को पोलिंग एजेंट नियुक्त कर सकता है। अनुपस्थित रहने वाले मतदानकर्मी के खिलाफ होगी एफआईआर सातवें और अंतिम चरण के विधानसभा चुनावों के लिए सभी पोलिंग पार्टी की रवानगी रविवार को होगी। पोलिंग पार्टियों के रवानगी के पहले सभी को निर्धारित स्थल पर समय से पहुंचना होगा। मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल ने शुक्रवार को सभी विभागों को निर्देश जारी कर निर्वाचन ड्यूटी में लगे सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को रवानगी स्थल पर समय से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। रवानगी के दौरान अनुपस्थित रहने वाले मतदान कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। चार पहिया वाहनों में पांच से ज्यादा की नहीं होगी अनुमति मतदान वाले दिन प्रत्याशी को उपयोग के लिए कुल तीन वाहनों की अनुमति होगी। चार पहिया वाहनों में चालक सहित पांच से अधिक व्यक्तियों को ले जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रत्याशियों के लिए आवंटित वाहन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपयोग नहीं किया जा सकता है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

प्राधिकार पत्र धारक प्रेस प्रतिनिधियों के लिये आवश्यक दिशा–निर्देश

जौनपुर सू.वि. : विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु मान्यता प्राप्त पत्रकार एवं गैर मान्यता प्राप्त प्रेस प्रतिनिधियों को निर्वाचन आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन प्राधिकार पत्र (प्रेस पास) निर्गत किये गये हैं, जिनकी नियम शर्तें निम्न है। मान्यता प्राप्त पत्रकारों को निर्वाचन आयोग द्वारा प्रेस पास निर्गत किया गया है, जिनकी नियम व शर्तें प्रेस पास के पिछले हिस्से में अंकित है, जिनका अक्षरशः पालन किये जाने की अपेक्षा है। गैर मान्यता प्राप्त प्रतिनिधियों को निर्गत प्राधिकार पत्र इस शर्त के साथ जारी किये गये है कि वे मतदान केन्द्र के 100 मी0 की परिधि में प्रवेश नहीं करेंगे और न ही किसी व्यक्तिध्मतदाता का साक्षात्कार लेंगे। किसी भी स्थिति में यह प्राधिकार पत्र हस्तान्तरणीय नहीं है और इसका प्रयोग केवल उस व्यक्ति द्वारा ही किया जायेगा, जिनके नाम/पहचान पत्र के साथ जारी किया गया है। प्राधिकार पत्र धारक मीडिया प्रतिनिधि सहज पहचान के लिये अपने संस्थान/न्यूज एजेन्सी द्वारा जारी आईडी कार्ड अपने साथ रखें। प्राधिकार पत्र धारक मीडिया प्रतिनिधि किसी प्रतिबंधित नियम कानून का उलंघन नहीं करेंगे और न ही किसी प्रकार की अव्यवस्था फैलाऐंगे। सभी मीडिया प्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि उपर्युक्त नियम व शर्तों का अक्षरशः पालन करेंगे। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में मतदान/मतगणना की गोपनीयता भंग करने वाली कोई भी फोटो या वीडियों का कवरेज करना सख्त मना है और सोशल मीडिया पर निर्वाचन से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की भ्रमक खबर/वीडियो यदि वायरल की जाती है तो सम्बन्धित के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।

अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा : राम प्रकाश

जौनपुर सू.वि. : उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम प्रकाश ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार निधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 हेतु मतदाता फोटो पहचान पत्र के विकल्प के सम्बन्ध में प्रतिरुपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समयच मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा, परन्तु मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते है, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए विभिन्न वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा यथा आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंको/डाकघरों द्वारा जारी की गई फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किये गये स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र, यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी लाना होगा।

डॉ राजीव लोचन शुक्ला ने की अपील

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। मिर्जापुर के लालगंज विधानसभा के विधायक एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी अपना दल के राहुल कौल के साथ चुनावी दौरे पर डॉ राजीव लोचन शुक्ला राष्ट्रीय महासचिव राष्ट्रीय युवा वाहिनी निजी सचिव अतुल राजपूत गंगाराम पत्रकार कृपा शंकर द्विवेदी

राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी धाम मिर्जापुर ने उपस्थित जन समुदाय से उनके चुनाव चिन्ह पर मतदान दिवस पर अपना कीमती वोट देकर उत्तर प्रदेश में सुशासन भयमुक्त माफिया मुक्त बहू बेटी सुरक्षित हेतु सबसे सारा काम छोड़ कर प्रथम मतदान करने की अपील की। विधायक राकेश कौल को भारी मतों से पहले से भी अधिक की जीत दिलाने के लिए सभी से पुरजोर अपील की।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

लोग हमें अच्छा समझें, इस इच्छा का त्याग कर निरन्तर अच्छे से अच्छा बननें की चेस्टा करें।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के निशाने पर रूस

यूक्रेन पर रूस के हमले का असर अब दिखाई देने लगा है। आने वाले दिनों में रूस से कारोबार पर रोक लगाने वाली कंपनियों की तादाद और बढ़ेगी। युद्ध में भले ही रूस की जीत हो या उसका पलड़ा भारी रहे, लेकिन वहां की अर्थव्यवस्था पटरी से फिसल चुकी है। जिसे फिर से पटरी पर लाने में सालों की मेहनत लगेगी।

''अहिंसा मानव जाति की सबसे बड़ी शक्ति है। यह मनुष्य की सरलता से तैयार किए गए विनाश के सबसे शक्तिशाली हथियार से भीअधिक शक्तिशाली है।''

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के इस कथन के साथ Louis Coucke, (सीएफओ–कंट्री कंट्रोलर इंडिया, एचएनएम) ने रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच कंपनी के नीतिगत फैसले की जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि अंतर्राष्ट्रीय क्लॉथिंग रिटेल कंपनी एचएनएम ने रूस में अपनी बिक्री को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है।

एचएनएम के रूस में 150 से अधिक स्टोर्स हैं। जो कि अब अनिश्चित काल के लिए बंद हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी रूसी आक्रमण के शिकार सभी लोगों से सच्ची सहानुभूति रखती है। इसलिए कंपनी ने वहां तत्काल प्रभाव से कारोबार पर रोक लगाने का फैसला किया है।

हालांकि कंपनी ने अपने कर्मचारियों और ग्राहकों की सुरक्षा कहा हवाला देते हुए यूक्रेन में भी अपने कारोबार पर अस्थाई रूप से रोक दी है। उन्होंने कहा है कि एचएनएम लगातार वस्तुस्थिति की समीक्षा कर रही है और दोनों देशों में अपने प्रतिनिधियों व साझेदारों से भी संपर्क में है। इस मुश्किल घड़ी में यूक्रेन में मोटी रकम दान करने के साथ कपड़े और दूसरी जरूरी चीजें भी वहां मुहैया कराई जा रही हैं।

हालांकि एचएनएम पहली स्वीडिश कंपनी नहीं है जिसने रूस से अपने कारोबार को फिलहाल बंद कर दिया है बल्कि तमाम बड़ी स्वीडिश कंपनियों ने एकजुट होकर रूस से कारोबार को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। इस क्रम में प्ज्ञम्।,ै चवजपलि, टवसअव, म्तपबेवद समेत कई दूसरे नाम भी जुड़ते जा रहे हैं।

कल आईकिया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा–

यूक्रेन पर हमला दुखद है। इससे लाखों आम आदमी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो चुके हैं। इसलिए कंपनी रूस में अपने कारोबार को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर रही है। लेकिन कंपनी को अपने कर्मचारियों और उनके परिजनों की चिंता है इसलिए कंपनी उनकी सहायता कर रही है और आगे भी सहायता जारी रखेगी। युद्ध की वजह से पहले ही काफी क्षति हो चुकी है। कंपनी की सप्लाई चेन व्यवस्था और व्यापार बाधित हुआ है। इसलिए कंपनी को अस्थाई तौर पर अपने परिचालन पर रोक लगाना पड़ रहा है।

इस फैसले का क्या होगा प्रभाव?

कंपनी के इस निर्णय से अब रूस और बेलारूस में आयात–निर्यात पर रोक लग चुका है। आपको बता दूं कि आईक्या (रूस) में 15 हजार से ज्यादा कर्मचारी हैं। कंपनी ने कहा है कि इन कर्मचारियों व उनके परिजनों की हर संभव सहायता की जाएगी। लेकिन लंबे समय तक युद्ध चला तो कर्मचारियों के भविष्य पर तलवार लटक सकती है।

आईकिया ने साल 2000 में यहां कारोबार शुरू किया था। कंपनी की मजबूत पैठ रूसी बाजार में होने की वजह से यह सर्वाधिक रोजगार मुहैया कराने वाली कंपनी भी बन चुकी है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में रूस में करीब 1.6 बिलियन यूरो का कारोबार किया था। रूस में आईकिया के बंद होने का अर्थव्यवस्था पर असर अब आप आसानी से समझ सकते हैं।

फिलहाल कंपनी तमाम एनजीओ के साथ मिलकर यूक्रेन में आपातकाल सेवाएं मुहैया करा रही है। यूक्रेन की सहायता के लिए अब तक 20 मिलियन यूरो का दान भी कर चुकी है। कंपनी का कहना है कि यूक्रेन में हालात काफी गंभीर है और घटनाक्रम तेजी से बदल रहे हैं। इसलिए कंपनी की प्राथमिकता उसपर नजर रखते हुए हर संभव मदद पहुंचाना है।

बता दें अब तक स्वीडन समेत दुनिया के तमाम देशों की बड़ी कंपनियां रूस से कारोबार पर रोक लगा चुकी हैं। इसमें M-S, Apple, Microsoft], Google, Dell, HP, Intel, Oracle, Boeing, Airbus, Airbnb, Shell, BP, Jaguar Land Rover, General Motors, Expedia, Coca- Cola, Volkswagen, Nike, Adidas, Burberry जैसे दिग्गज नाम शामिल हैं। M-S के कामकाज पर रोक लगने से रूस में 1200 कर्मचारी प्रभावित हुए हैं।

वहीं ब्रिटिश ऑनलाइन रिटेलर बोहों भी रूस में बंद हो चुकी है। स्पैनिश फैशन रिटेलर मैंगो भी रूस में अपने 120 स्टोर्स और ऑनलाइन कारोबार को बंद कर चुकी है। नाइक और एडिडास ने भी अपने कारोबार पर रोक लगा दिया है। जबकि एडिडास ने तो रशियन फुटबॉल यूनियन से भी अपनी सांझेदारी तोड़ दी है।कार निर्माता कंपनी फोर्ड, जगुआर लैंड रोवर, जनरल मोटर्स और रेनॉल्ट ने भी रूस के साथ संयुक्त कारोबार पर फिलहाल रोक लगा दिया है। वॉल्ट डिज्नी, सोनी और वार्नर ब्रस में रूस में नई फिल्मों के रिलीज पर रोक लगा दी है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय मनी ट्रांसफर पर रोक लग चुकी है। बैंकिंगव्यवस्था चरमरा चुकी है।उम्मीद है कि आने वाले दिनों में रूस से कारोबार पर रोक लगाने वाली कंपनियों की तादाद और बढ़ेगी। युद्ध में भले ही रूस की जीत होया उसका पलड़ा भारी रहे लेकिन वहां की अर्थव्यवस्था पटरी से फिसल चुकी है। जिसे फिर से पटरी पर लाने में सालों की मेहनत लगेगी।

भारी तादाद में बड़ी कंपनियों के कारोबार ठप्प होने का सीधा असर युवाओं पर पड़ रहा है। वो यह समझ नहीं पा रहे कि रूसी सरकार ने युद्ध का बिगुल फूंकने से पहले उनकी परवाह क्यों नहीं की। वे सोशल मीडिया के जरिए अपनी नाराजगी बयां कर रहे हैं।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

यूक्रेन गए 71 व्यक्तियों व छात्रों में से 34 गोरखपुर पहुंचे 4 दिल्ली 2 मुंबई अपने परिजनों के पास पहुंचेंगे : 11 यूक्रेन में 9 बॉर्डर पर दो अंदर सभी को गोरखपुर लाने का प्रयास जारी

गोरखपुर ब्यूरो राजनारायण ओझा : जिलाधिकारी विजय किरन आनंद गोरखपुर जनपद से यूक्रेन जाकर पढ़ाई या अन्य कार्यों के लिए गए थे उन्हें जिला प्रशासन हर संभव वहां से वापस लेने के लिए प्रयत्नशील है जनपद गोरखपुर से 71 व्यक्ति व छात्र यूक्रेन में रहे जिसमें से 34 व्यक्ति गोरखपुर वापस आ चुके हैं और 04 छात्र दिल्ली व 02 छात्र मुंबई में अपने परिजनों के घर पर हैं। 11 व्यक्ति यूक्रेन में है जिनमें से 09 बॉर्डर पर आ चुके है। उन्हें भी हर संभव प्रयास करते हुए भारत सरकार की मदद से गोरखपुर लेने का प्रयास किया जा रहा है सब कुछ ठीक–ठाक रहा तो आज से कल तक उन्हें भी भारत सरकार की मदद से गोरखपुर लाया जा सकेगा।

सड़क पर फेंका जा रहा है मेडिकल का वेस्ट कचरा

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : जिला महिला अस्पताल के मेडिकल वेस्ट फेंकने वाली जगह से बाहर सड़क तक मेडिकल वेस्ट का कचरा फैला हुआ है । जबकि जिला महिला अस्पताल से प्रसूताओं के अलावा अन्य मेडिकल वेस्ट कचरे को डालने के लिए एक मेडिकल वेस्ट वार्ड भी बकायदा अस्पताल के अंदर बना हुआ है लेकिन इसके बावजूद भी सड़क पर मेडिकल वेस्ट कचरे को फेंका जा रहा है। मुश्किल तो यह है कि राहगीरों का निकलना तो दूभर है ही स्थानीय कर्मचारी भी इसकी दुर्गंध नहीं बर्दास्त कर पा रहे हैं। इसी स्थान के ठीक बगल एंबुलेंस विभाग के कर्मचारी भी महिला अस्पताल के बगल बनी रैन बसेरे की बिल्डिंग के एक हिस्से में काम करते हैं उनको भी अपने मुह पर रुमाल आदि लगाकर इस रास्ते से गुजरना पड़ता है। इसी रास्ते से लोग

परिसर में बने जिला चिकित्सालय के प्राइवेट वार्ड में कोविड का टीका लगवाने जाते हैं और आंख के मरीजों का भी वार्ड का रास्ता भी इसी रास्ते पर पड़ता है जहाँ मरीज और उनके तीमारदार भी इसी रास्ते का इस्तेमाल कर आते जाते हैं।

25 घंटा बीता नहीं डोला चीनी मिल का पहिया गन्ना किसानों की बढ़ी मुश्किलें

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : किसान सहकारी चीनी मिल में बॉयलर की टयूब लीक होने से गुरुवार की शाम करीब 4 बजे से गन्ने की पेराई ठप हो गई। दिन भर मिल कर्मी बॉयलर की ट्यूब ठीक करने में जुटे रहे, लेकिन शाम तक गन्ने की पेराई का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। गन्ने की पेराई बंद होने से किसान परेशान हैं। जिले की इकलौती किसान सहकारी चीनी मिल के बॉयलर की ट्यूब शनिवार की शाम करीब 4:00 बजे लीक हो गई। इससे गन्ने की पेराई ठप हो गई। चीनी मिल कर्मियों ने इसकी जानकारी प्रबंधक को दी। उन्होंने मिल के तकनीकी स्टाफ को मरम्मत कार्य में लगा दिया। शुक्रवार की शाम तक मिल में गन्ने की पेराई शुरू नहीं हो पाई है। गन्ने की पेराई ठप हो जाने से किसान

परेशान हैं। मिल यार्ड में गन्ना ट्रैक्टर–ट्रॉलियों की लंबी कतारें लग गई हैं। किसान सहकारी चीनी मिल के प्रबन्धक प्रताप नारायण ने बताया कि बॉयलर की टयूब लीक होने के कारण मिल बन्द हैं कारीगर कार्य में लगे हैं जैसे ही बायलर की ट्यूब ठीक हो जाएगी मिल को तुरंत चालू कर दिया जाएगा।

विद्याज्ञान प्रवेश परीक्षा की तिथि बढ़कर की गयी चौदह मार्च : दीवान सिंह

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : परियोजना निदेशक, विद्याज्ञान ने अपने पत्र संख्या 620/ विद्याज्ञान/वर्ष 2021–22 के 07 फरवरी 2022 के क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीवान सिंह ने बताया कि शीतकालीन अवकाश एवं विधानसभा निर्वाचन प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाने के फलस्वरूप विद्याज्ञान प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 26 फरवरी 2022 का विस्तार कर 14 मार्च, 2022 निर्धारित की गयी है। जनपद में संचालित परिषदीय/सहायता प्राप्त एवं निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों/ इं० प्रधानाध्यापकों/ सहायक अध्यापकों एवं अभिभावकों से अपील की जाती है कि छात्र हित में विद्याज्ञान परीक्षा हेतु आवेदन करवाने का कष्ट करें और इसका व्यापक प्रचार–प्रसार करते हुए अधिक से अधिक छात्रों का पंजीकरण कराने हेतु अभिभावकों तथा बच्चों को प्रेरित करें।

आखिरकार डीएम आवास बोर्ड का रंग हटाने वाले इंजीनियर हुये निलंबित

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या के नीतीश कुमार ने बार बार बोर्ड बदलने के मामले में पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता अजय कुमार शुक्ला को निलंबित कर दिया है।सूत्र के मुताबिक उन्होंने उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाए बिना बोर्ड बदलवाया था।उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली–1999 के तहत उनके खिलाफ जांच के आदेश दे दिए गए हैं।निलंबन अवधि के दौरान शुक्ला कार्यालय, मुख्य अभियंता, अयोध्या से संबद्ध रहेंगे।मालूम हो कि अयोध्या जिलाधिकारी के अस्थाई आवास का साइन बोर्ड शुक्रवार को फिर बदल दिया गया। इससे पहले महज 36 घंटों में इस बोर्ड का रंग तीन बार बदल चुका है। पहले हरा और फिर लाल कर दिया गया था। अब इसे फिर से भगवा कर दिया गया।अयोध्या जिलाधिकारी आवास सितंबर 2021 से निर्माणाधीन है।सूत्रो के मुताबिक अंग्रेजों के समय के बने इस आवास को अब नए सिरे से बनाया जा रहा है।इसी वजह से अयोध्या जनपद के मौजूदा क्ड लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में रहते हैं और यहीं इनका कैंप कार्यालय भी है। यूपी में चुनाव के नतीजे तो 10 मार्च को आएंगे, पर यहां सरकारी अधिकारियों के आवास के बोर्ड के बदलते रंगों से सियासी चर्चा गर्मा गई है।अयोध्या में कुछ दिन पहले ही क्ड आवास के बोर्ड को लाल कर दिया गया था। यह मामला जानकारी में आने के बाद डीएम नीतीश कुमार ने च्ॅक के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई थी। इसके बाद विभाग ने बोर्ड का रंग बदल दिया। पीडब्ल्यूडी के गेस्ट हाउस में डीएम अयोध्या का अस्थायी आवास है। प्रशासन के ताजा रुख के बाद अयोध्या के संतों ने खुशी जताई है। बोर्ड का रंग हरा होने पर हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास ने इसे भाजपा के खिलाफ साजिश बताकर चुनाव आयोग से डीएम अयोध्या और अन्य दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।दरअसल, यूपी में योगी सरकार बनने के बाद डीएम आवास के बोर्ड का रंग भगवा किया गया था। हरे रंग का बोर्ड लगाने को लेकर सियासत में कई मायने निकाले जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह अयोध्या के अधिकारियों की बेचौनी का सबूत है। लोगों का तो यहां तक कहना है कि कई अधिकारी भी सियासत के मौसम वैज्ञानिक होते हैं।बोर्ड के रंग बदलने के लिए लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर का कनेक्शन सपा से भी जोड़कर देखने लगे थे।इस बोर्ड के रंग बदलने के लिए लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर का कनेक्शन सपा से भी जोड़कर देखने लगे थे। तो वहीं बताया जा रहा है कि भगवा से हरा रंगा का बोर्ड होने के बाद क्ड नीतीश कुमार के फटकार के बाद लोकनिर्माण विभाग के इंजीनियर ने हड़बड़ाहट में भगवा बोर्ड लगाने के लिए ठेकेदार से कहा था।लेकिन, ठेकेदार से गलती वश यह दोबारा भगवा की जगह लाल हो गया, जिसे सुधार करते हुए शुक्रवार को दोबारा भगवा का बोर्ड लगाया गया। हालांकि गेट पर ही एक और भी लोक निर्माण का हरे रंग का बोर्ड लगा हुआ है।डीएम समेत लोक निर्माण विभाग के अधिकारी इस मामले में बयान देने से बचते नजर आ रहे हैं।

लखनऊ : डीजी नागरिक सुरक्षा से 50 हजार की ठगी, साइबर जालसाजों ने एप डाउनलोड कराकर की ठगी

लखनऊ ब्यूरो : लखनऊ के गोमतीनगर में रहने वाले महानिदेशक नागरिक सुरक्षा विश्वजीत महापात्रा के खाते से जालसाजों ने पचास हजार की रकम उड़ा दी। उनकी शिकायत पर शुक्रवार को रिपोर्ट दर्ज कर गोमतीनगर पुलिस जालसाजों की तलाश में जुटी है। आठ फरवरी को ठगी हुई थी। सीनियर आईपीएस विश्वजीत महापात्रा मौजूदा समय में डीजी नागरिक सुरक्षा हैं। वह एडीजी बनारस जोन के बाद डीजी फायर सर्विस के तौर पर पोस्टिंग पाकर लखनऊ आए हैं। उनके मुताबिक आठ फरवरी को उन्होंने कैब सर्च किया था। इसमें उन्हें नाम, पता, मोबाइल नंबर और आने–जाने वाली जगह का विवरण भरने को कहा गया। इसे भरने के कुछ देर बाद उन्हें एक कॉल आयी। कॉल करने वाले ने कैब बुकिंग कन्फर्म करने के लिए सौ रुपए जमा करने को कहा। उसने एक लिंक भेजा और इसके जरिए भुगतान करने को कहा। काफी प्रयास के बाद भी इस पर भुगतान नहीं हो पाया। लिंक से भुगतान न होने पर उसी कर्मचारी ने दूसरा लिंक भेजकर एक एप डाउनलोड करने को कहा। साथ ही बताया

कि इस एप के जरिए किस तरह रुपये जमा करने हैं। महापात्रा ने जैसे ही एप डाउनलोड करके इसे खोला थोड़ी देर बाद उनके खाते से 50 हजार रुपए निकलने का मैसेज आ गया। इसके साथ ही कॉल करने वाले का नम्बर भी बंद हो गया। ठगी का एहसास होने पर अधिकारी ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। साइबर सेल की रिपोर्ट पर गोमतीनगर थाने में केस दर्ज किया गया।

अयोध्या में बाहरी किन्नरों का हुक्का–पानी बंद करने का किन्नर समाज की मुखिया पिंकी किन्नर ने किया ऐलान

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जनपद अयोध्या में बाहरी किन्नरों का हुक्का–पानी बंद करने का ऐलान किया।सुल्तानपुर में किन्नरों की लड़ाई से अयोध्या में इसका असर दिखा। अयोध्या किन्नर समाज की मुखिया ने विरोधी गुट पर तस्करी का आरोप लगाया।सुल्तानपुर में किन्नरों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट में दो किन्नरों की चोट आने के मामले को अयोध्या के किन्नर समाज ने गम्भीरता से लिया है। अयोध्या किन्नर समाज की मुखिया पिंकी किन्नर ने आरोपी किन्नरों का किया हुक्का पानी बंद करने का ऐलान किया है।अयोध्या किन्नर समाज की मुखिया पिंकी किन्नर ने मीडिया कहा कि लखन्ऊ की किन्नर हाजी स्ईदा माई पूरे किन्नर समाज पर कब्जा करना चाहती हैं।अयोध्या किन्नर समाज की मुखिया पिंकी किन्नर ने मीडिया से कहा कि लखनऊ की किन्नर हाजी स्ईदा माई पूरे किन्नर समाज पर कब्जा करना चाहती हैं। उन्हीं के इशारे पर अम्बेडकर नगर के किन्नरों केशव नायक ऊनके चेले बबीता किन्नर और उनके कई सहयोगियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। इससे पूर्व भी लगभग एक साल पहले इसी तरह की घटना को इन लोगों द्वारा की गई थी। जिस तरह से यह घटना हुई किन्नर समाज इसकी निंदा करते हुए सभी आरोपी किन्नरों केशव, बबीता और उनके तमाम सहयोगियों का हुक्का पानी बंद कर रही है।सुल्तानपुर में घायल किन्नर का लखनऊ के ट्रामा सेंटर में चल रहा इलाज। घटना में घायल दोनों किन्नरों की स्थिति गम्भीर बनी हुई है।दोनों को सिर में लगी गम्भीर चोटें आईं हैं। लखनऊ ट्रमा सेंटर में दोनों किन्नरों का चल इलाज चल रहा है।सुल्तानपुर जनपद के थाना कोतवाली कादीपुर क्षेत्र के सरैंया गांव में दो किन्नरों के गुट में क्षेत्र बंटवारे को लेकर हिंसक झड़प हुई थी। उन्होंने भारत सरकार एवं प्रशासन से मांग की है कि एक किन्नर जो कि नेपाल से भारत में आता है और खुले आम इनका साथ देता है उसका भारत में प्रवेश रोका जाये। वह तस्कर हैं पहले चंदन की लकड़ी की तस्करी कराती थी उसका नाम रज्जफ अली उर्फ गुड़िया बाबा है।

खुले आम सड़कों पर डग्गामार वाहन भर रहे फर्राटा : न फिटनेस न पूरे कागजात फिर भी दौड़ सड़को पर

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जिले के रूदौली सर्किल क्षेत्र में आसान नहीं दिखता डग्गामार वाहनों पर प्रतिबंध लग पाना, जहां देखिए वहां डग्गा मार वाहनों का काफिला सवारियो को भरते हुए सड़कों पर नजर आ रहे हैं चाहे वह टेंपो पर लटक रहे यात्री हो।हाइवे से लेकर गांव की सड़को पर यह वाहन फर्राटा भरते हुए देखे जा सकते हैं।यही नहीं वाहन चालक यात्रियों से मन माना पैसा भी वसूल करते हैं लेकिन यह सब जान कर संभागीय परिवहन विभाग व जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुये है।मालूम हो कि रुदौली सर्किल क्षेत्र के अन्तर्गत चाहे वह गांवो के छोटे रास्ते हो या मवई व भेलसर से जुड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग हो,इन सब पर सुबह से देर रात तक सवारिया ढो रहे वाहनों का यदि ओचक निरिक्षण किया जाए तो शायद ही पचास फीसदी वाहन टैक्सी में पास हो शेष निजी प्रयोग में पास वाहन सड़क पर तेजी से फर्राटे भर रहे हैं।कहीं सत्ता धारी दल का झंडा तो कही प्रेस का बोर्ड लगाए यह वाहन चालक प्रायः पुलिस व प्रशासन से बचने का प्रयास करते हैं।इससे जहां एक ओर प्रतिमाह हजारों रूपयो का चूना परिवहन विभाग को लग रहा है और इसके साथ साथ डग्गा मार वाहनों के चलने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।भूसे की तरह सवारियों को ढो रहे इन वाहनों को न तो पुलिस कुछ कहती हैं और न ही संभागीय अधिकारी इसी तरह यदि ट्रैक्टर ट्राली पर नजर डालें तो पास कृषि कार्य हेतु और ढोया जा रहा है बरातो को।एक अनुमान के हिसाब से साठ से सत्तर फीसदी ट्रैक्टर में एक ही हेड लाइट को जलते हुए देखा जा सकता है।जिसके चलते विपरीत दिशा में आ रहे वाहन के चालक को यह समझने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।क्योंकि वह यह नहीं समझ पाता कि टू विलर है या फोर व्हीलर ऐसी स्थिति में दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।आपको बता दें कि मवई, भेलसर, भेटरिया, उमापुर, रुदौली की सड़को पर भूसे की तरह सवारियों को भरते हुए डग्गा मार वाहनों पर देखा जा सकता है।यही नहीं सड़को पर दौड़ रहे इन डग्गा मार वाहनों के पास पूरे कागजात भी नहीं होंगे।फिर भी पुलिस व संभागीय अधिकारी इस और ध्यान नही दे रहे हैं।

भरत–लक्ष्मण से भी बढ़कर है बागपत के रूपक त्यागी का भाई प्रेम

बागपत पत्रकार विवेक जैन : भारतीय इतिहास में भरत–लक्ष्मण का श्रीराम जी के प्रति भाई प्रेम जग विख्यात है, लेकिन हमारे देश में अनेकों ऐसे भी उदाहरण है जो भरत–लक्ष्मण के भाई प्रेम से श्रेष्ठ माने जाते है। इसी क्रम में बागपत के बड़ा गांव निवासी रूपक त्यागी का नाम प्रमुखता से सामने आता है, जिन्होने महज 28 वर्ष की छोटी सी उम्र में अपने मरणासन स्थिति में पहॅुच चुके भाई सोमपाल उर्फ नितिन को अपनी किडनी देकर उनके जीवन की रक्षा की। किड़नी डोनेट करने से पहले जब डाक्टरों ने रूपक त्यागी को बताया कि किड़नी डोनेट करने के दौरान और उसके बाद रूपक के जीवन को भी खतरा हो सकता है, तब रूपक त्यागी ने डाक्टरों से कहा कि आप सिर्फ भाई को बचाये एक की जगह दोनों किड़नी भी भाई को लग जायें तो भी कोई फर्क नही, बस भाई जीवित रहना चाहिये, मेरे जीवन के बारे में चिंता ना करे। भाई के प्रति भाई के प्रेम, त्याग और आदर भावना का बागपत के रूपक त्यागी एक आदर्श उदाहरण है। रूपक त्यागी जैसे भाई इस संसार में मिलने बड़े दुर्लभ है। ग्रामवासियों ने बताया कि घर ही बच्चों की प्रथम पाठशाला होती है। बताया कि रूपक के पिता तपेश्वर

त्यागी पेशे से शिक्षक है। परिवार बड़ा ही धार्मिक है और समाजसेवी कार्यो में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। ग्रामवासियों ने कहा कि जो संस्कार रूपक त्यागी को उनके परिजनो ने दिये है, वह काबिले तारीफ है। कहा कि आज के समय में जहॉ भाई–भाई के बीच जमीन–जायदाद को हड़पने को लेकर खून–खराबे हो रहे है, ऐसे समय में रूपक त्यागी समाज, देश और विश्व के लिए एक प्रेरणा स्रोत है।

मतदाता जागरूकता अभियान की औपचारिकता से बाहर आयें जौनपुर के ""युवा मतदाता – अखिलेश्वर शुक्ला

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : विश्व में भारत को एक युवा देश के रूप में जाना जाता है। जिस देश की आधी आबादी लगभग 25 वर्ष आयु प्राप्त युवाओं की है। यदि 35 वर्ष आयु वर्ग को देखें तो यह अनुपात 65: हो जाता है। फिर इतने शक्तिशाली देश के वासी अभावग्रस्त रहें, पराश्रई हों, बेरोजगारी–भुखमरी के शिकार रहें– इसका कारण आसानी से समझा जा सकता है। फिर क्या कारण है– भारत के नौजवान मतदाता केवल विचार हीं नहीं, वरन लोकतंत्र के पर्व मतदान में बढ़–चढ कर भाग लें। साथहीं ऐसे मतदाताओं को भी बुथ तक पहुंचाने में मदद करें–जो आसानी से बुथ तक नहीं पहुंचने की स्थिति में होते हैं। घ्विगत काफी समय से भारतीय निर्वाचन आयोग के आवाहन पर—""मतदाता जागरूकता अभियान, रैली,शपथ, कार्यक्रम'' जोर–शोर से आयोजित किए जाते रहे हैं। अब वह समय आ गया है,जब परिणाम सामने आए और अधिक से अधिक मतदान हो। घ्वास्तव में भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भी है। लोकतंत्र की सफलता का आधार चुनाव में होने वाला मतदान ही है। लोकतंत्र की सफलता के लिए ही शिक्षण संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं, बच्चों से लेकर महिलाओं तक ने अपार भीड़ एवं उत्साह के

साथ सड़कों पर उतर कर जो जागरूकता अभियान चलाया है। वह केवल औपचारिकता न रह जाए बल्कि हकीकत में दिखाई दे। अधिक से अधिक मतदाता बुथ तक पहुचें। भारतीय संविधान में ''स्वतंत्रता एवं समानता''''जैसे मूल्य की प्राप्ति के लिए केवल मतदान ही नहीं वरन एक योग्य, कर्मठ एवं ईमानदार व्यक्तित्व का प्रतिनिधित्व प्राप्त हो–इसके लिए ''''जाति–धर्म''''सहित संकुचित विचारों को त्याग कर राष्ट्रीय हितों का विशेष ध्यान रखना होगा। तब जाकर ''मतदाता जागरूकता अभियान'' सार्थक सिद्ध हो सकेगा।

मतदाताओं को प्रेरित व आकर्षित करने के लिए निकाली नाव रैली व हुई नाव प्रतियोगिता

जौनपुर सू.वि. : स्वीप कार्यक्रम की कड़ी में जौनपुर लायन्स क्लब संगठन द्वारा मतदाताओं को आकर्षित व प्रेरित करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता नाव रैली व नाव प्रतियोगिता विसर्जन घाट सदभावना पुल से आयोजित हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा व आकांक्षा समिति अध्यक्ष डा अंकिता राज ने हरी झंडी दिखाकर नाव रैली को रवाना किया। रैली में लायन्स सदस्य बैनर तख्ती लिये नाव पर सवार थे, तथा माइक पर मतदाता जागरूकता गीत बजता रहा व आकर्षक स्लोगन से लोगों को प्रेरित करतें रहें। नाव रैली विसर्जन घाट से शुरू होकर, गोपीघाट, लायन्स घाट, शाही पुल होते हुए गुलरघाट तक गई। उसके बाद गुलर घाट से पटाखे की आवाज के साथ नाव प्रतियोगिता शुरू हुई, जो कि पुनः विसर्जन घाट पर आकर समाप्त हुई। नाव प्रतियोगिता में प्रथम राकेश निषाद द्वितीय शैलेन्द्र निषाद व तृतीय मुन्नालाल निषाद रहें जिन्हें पुरस्कार के रुप मे शील्ड के साथ क्रमशः पच्चीस सौ, पन्द्रह सौ व एक हजार रुपए नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। सांत्वाना पुरस्कार लालचंद्र निषाद, फूलचंद्र निषाद, गोलू निषाद, भोला निषाद, व दाऊ निषाद को प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि 7 मार्च को आप सभी अपने अपने घरों से निकलकर मतदान केंद्र जाये और ईवीएम का बटन दबाकर मतदान जरुर करें। उन्होंने कहा कि इस लोकतंत्र के महापर्व को एक उत्सव का माहौल दें और संकल्प के साथ वोट करें। डा0 अंकिता राज ने कहा कि अपने बेहतर कल के लिए महिला पुरुष दिव्यांग सभी मतदाता वोट करें तथा अपने परिवार व अन्य लोगों को

भी मतदान करने हेतु जागरूक व प्रेरित करें। डा क्षितिज शर्मा ने कहा कि मतदान दिवस लोकतंत्र का महापर्व है। इसमें प्रत्येक मतदाता की मतदान रूपी आहुति अनिवार्य है। सभी मतदाताओं को अपना कर्मशील और भेदभाव से रहित जन प्रतिनिधि चुनने के लिए ज्यादा से ज्यादा मतदान करना चाहिए। इसके पूर्व लायन्स मेन इंचार्ज अध्यक्ष संदीप गुप्ता, लायन्स गोमती अध्यक्ष धीरज गुप्ता, लायन्स सूरज अध्यक्ष नसीम अख्तर, लायन्स पवन अध्यक्ष विरेन्द्र साहू व लायन्स क्षितिज अध्यक्ष जय किशन साहू ने अतिथियों को पुष्प प्रदान कर स्वागत किया। अन्त में लोगों को मतदाता की शपथ दिलाई गई। जोन चेयरमैन दिलीप सिंह व मनीष गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। संचालन जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर ज्ञान सिंह, रमेश काबरा, अशोक मौर्य, गौरव श्रीवास्तव, त्रिपुंड भास्कर मौर्य, दिलीप सिंह, धर्मेन्द्र रघुवंशी, लायनेस अध्यक्ष चेतना साहू, सुधा मौर्य, जीहशम मुफ्ती, विष्णु सहाय, गणेश साहू, सर्वेश गुप्ता, सुशील स्वामी, अशोक गुप्ता, संतोष साहू बच्चा, अतुल सिंह, विजय मौर्य आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में एम0ए0सी0पी0 के अधिकतम वादों के निस्तारण हेतु प्री–ट्रायल बैठक आयोजित

जौनपुर सू.वि. : उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में माननीय जनपद न्यायाधीश एम0 पी0 सिंह के कुशल निर्देशन में 12 मार्च 2022 को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा प्रतिकर के अधिकतम वादों के निस्तारण के सम्बन्ध में अधिवक्तागण से विचार विमर्श हेतु पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण जौनपुर की अध्यक्षता मनोज कुमार सिंह गौतम एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर श्रीमती शिवानी रावत के संयोजन में 04 मार्च 2022 को न्यायालय/कार्यालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण जौनपुर में समय दोपहर 2:30 बजे बैठक आहूत की गयी। पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण जौनपुर मनोज कुमार सिंह गौतम द्वारा मोटर दुर्घटना दावा के अधिवक्ताओं से कहा गया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा के अधिकतम मामलों को चिन्हित कर सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण करायें जाने हेतु प्रेरित किया गया। उपस्थित अधिवक्तागण द्वारा अधिकतम वादों के निस्तारण कराये जाने का आश्वासन दिया

गया। इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती शिवानी रावत द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में एम0ए0सी0टी0 के अधिकतम वादों का निस्तारण कराकर लाभान्वित हों तथा लोक अदालत को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। बैठक में एम0ए0सी0टी0 के विद्वान अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव तथा ज्ञान प्रकाश सिंह, सतेन्द्र कुमार सिंह, प्रवीण मोहन श्रीवास्तव, सूर्यमणि पाण्डेय, अशोक कुमार सिंह, जगदीश चन्द्र पाण्डेय, रविन्द्र विक्रम सिंह, दिलीप कुमार श्रीवास्तव आदि विद्वान अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

कूड़े के ढेर से मिला वीभत्स शव : ईंट से हत्या कर फोड़ीं आंखें फिर जलाया चेहरा

एटा ब्यूरो : एटा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे रोड पर शनिवार सुबह कूड़े के ढेर में एक युवक का शव मिला है। उसकी बेहरमी से हत्या की गई है। दोनों आंखें फोड़ी गईं हैं। वहीं चेहरा किसी केमिकल से जलाया गया है। अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। शनिवार सुबह रेलवे रोड तिराहा पर कुछ लोगों ने लकड़ी के एक खोखा के पीछे युवक का शव पड़ा देखा। इसके पास ही खून से सनी हुई ईंट भी पड़ी थी। लोगों ने मामले की जानकारी कोतवाली नगर पुलिस को दी। वहां पहुंच पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया और सैंपल कराए। आशंका जताई जा रही है कि रात को युवक की हत्या कर शव यहां फेंका गया है। सीओ सिटी कालू सिंह ने बताया कि युवक का शव मिला है। मौके से सबूत जुटाए गए हैं। फॉरेंसिक टीम भी जांच कर रही है। मृतक की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

जनसत्ता दल प्रत्याशी ने आज अपने सभी कार्यकर्ताओं के साथ मां शीतला के किये दर्शन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : विधानसभा सदर से जनसत्ता दल के प्रत्याशी दिनेश कुमार सिंह रिंकू भैया ने आज अपने सभी कार्यकर्ताओं के साथ मां शीतला चौकिया मंदिर पहुंचकर मां का भव्य दर्शन कर और वहां

के लोगों से जनसंपर्क कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस मौके पर अपनी रोड शो की शुरुआत फौजी नरेंद्र सिंह ने हरी झंडी दिखाकर सभी गाड़ियों को आगे बढ़ाया और उस पर रिंकू भैया बैठकर सभी का अभिवादन करते हुए पचहटिया बिसेसर पुर जेसी चौराहा मछली शहर पढ़ाओ शिव होकर खानपुर राजहंस मैरिज हाल आकर समापन हुआ इस मौके पर सभी लोगों ने जगह जगह माल्यार्पण किया और आरती उतारी रिंकू सिंह ने कहा हम पहले शिक्षा पर ध्यान देंगे फिर उन किसानों को उनका हक दिलाने का प्रयास करेंगे इस मौके पर भूपेंद्र सिंह राजपूत देवेश सिंह अरविंद सेठ अजय सिंह राहुल मोदनवाल जीबी राठौर आदि समर्थक मौजूद रहे।

स्मैक तस्करों का पीछा कर रही थी पुलिस : अचानक हो गया हादसा

सहारनपुर ब्यूरो : सहारनपुर जनपद में गंगोह थाने पर तैनात सब इंस्पेक्टर विपिन मलिक को स्मैक तस्कर की जानकारी मिली थी। दरोगा ने पुलिसकर्मियों के साथ अपनी आई–10 कार से बाइक सवार आरोपियों का पीछा किया। पीछा करते हुए नकुड़ थाना क्षेत्र के गांव नवाजपुर के पास बाइक सवार तस्कर गन्ने के खेत में घुस गए। इसी दौरान पुलिस की कार की चपेट

में आने से किसान राशिद पुत्र सलाउद्दीन घायल हो गया। वहीं पुलिस की कार भी अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें दरोगा विपिन मलिक घायल हो गए। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर कई थानों की पुलिस और अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घेराबंदी कर तीन आरोपियों को पकड़ लिया। एसपी देहात अतुल शर्मा का कहना है कि बाइक सवार स्मैक तस्करों का पीछा करते समय कार पलटने से सब इंस्पेक्टर और एक किसान घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

चुनाव ड्यूटी में सोनभद्र जा रहे सीआईएसएफ जवानों से भरी बस पलटी : एक की मौत 11 घायल

सोनभद्र ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में बड़ा हादसा हुआ है। विधानसभा चुनाव कराने के लिए सुरक्षाबलों को लेकर आ रही रोडवेज की बस शुक्रवार की रात वाराणसी–शक्तिनगर हाईवे पर मारकुंडी घाटी में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस में सवार सीआईएसएफ के एक जवान की मौत हो गई। वहीं 11 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिला अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद तीन घायलों को वाराणसी रेफर कर

दिया गया। खुर्जा डिपो की बस में सवार होकर सीआईएसएफ के जवान सोनभद्र आ रहे थे। रात करीब दो बजे हाईवे पर स्थित मारकुंडी घाटी में बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे चली गई। हादसे में बस सवार जवानों को गंभीर चोट आई। राहगीरों ने घटना की जानकारी सदर कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अन्य लोगों की मदद से सभी जवानों को बस से बाहर निकलवाकर जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने कांस्टेबल कृष्णवीर सिंह (45) पुत्र जोगेंद्र सिंह ग्राम सलोनी थाना बहादुरगढ़ गाजियाबाद को मृत घोषित कर दिया। घायलों में सीआईएसएफ यूनिट एचपीसीएल विशाखापत्तनम 846/535 के कांस्टेबल बालाकृष्ण निवासी हैदराबाद, बृजेश राठौर निवासी आंध्रप्रदेश, एएसआई एसएल नायक, हेड कांस्टेबल एमएम बेग निवासी हैदराबाद, कांस्टेबल के. चंद्रिया उड़ीसा, हेड कॉन्स्टेबल सुरेश, रजनीश आदि शामिल हैं। इसमें बालाकृष्ण, बृजेश और एसएल नायक को वाराणसी रेफर कर दिया गया। कोतवाल सत्यनारायण मिश्र ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में रख दिया गया है।

ई–रिक्शा और गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली में भिड़ंत चार घायल

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी बीकापुर संवाददाता)जिले के पूरा कलंदर थाना अंतर्गत मसौधा चीनी मिल के सामने ई–रिक्शा और गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली में भिड़ंत चार घायल प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात लगभग 10:30 बजे सुल्तानपुर की तरफ से फैजाबाद आ रही ई–रिक्शा की भिड़ंत गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली से हो जाने के कारण प्रदीप कुमार पुत्र राम अमर आयु 16 वर्ष निवासी शिव नगर कॉलोनी कोतवाली नगर अभिषेक कुमार पुत्र जगदीश आयु लगभग 18 वर्ष निवासी रामदास पुर कोतवाली बीकापुर जनपद अयोध्या मोहम्मद जुबेर पुत्र यार मोहम्मद आयु 24 वर्ष निवासी मदनपुर थाना तारुन जनपद अयोध्या मोनू पुत्र रामप्रसाद दुर्घटना में घायल हो गए घायल को 108 एंबुलेंस के ई एम टी अंकित पांडे द्वारा बीती रात 11:35 पर जिला चिकित्सालय लाया गया जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर जय सिंह चौरसिया द्वारा घायलों को भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया है।

मेरठ के दौराला स्टेशन पर सहारनपुर–दिल्ली पैसेंजर ट्रेन में लगी आग : जले दो कोच

मेरठ ब्यूरो : मेरठ में शनिवार सुबह दौराला स्टेशन पर सहारनपुर से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन के दो कोच में भीषण आग लग गई। जैसे ही धमाके के साथ कोच से धुआं उठना शुरू हुआ यात्री कोच से बाहर आने लगे। रेलवे के अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट होने से कोच में आग लगी है। गनीमत यह रही कि ट्रेन दौराला स्टेशन पर खड़ी थी। दौराला स्टेशन पर सुबह 7.10 पर ट्रेन पहुंची थी। रोजाना की तरह दैनिक यात्री ट्रेन आने का इंतजार कर रहे थे। इस ट्रेन से काफी संख्या में दिल्ली नौकरीपेशा यात्री सफर करते है। कोच में आग लगने पर तुरंत ही यात्रियों ने अन्य कोच से बाहर निकलना शुरू कर दिया। हालांकि, कोच में आग पूरी तरह फैल गयी थी। खबर लिखे जाने तक आग बुझाने के इंतजाम नहीं हो पाए थे। सहारनपुर दिल्ली पैसेंजर ट्रेन के दो कोच में आग लगने के बाद अन्य कोच को बचाने के लिए यात्रियों ने धक्का लगाकर ट्रेन को आगे खिसकाया। बताया गया कि यात्रियों ने खुद ट्रेन के अन्य कोचों को अलग करते हुए धक्का लगाकर स्टेशन की ओर बढ़ाया। सकौती में ही डिब्बों से आने लगी थी बदबू दैनिक यात्रियों ने बताया कि सकौती में ही ट्रेन के डिब्बों से बदबू आने लगी थी, लेकिन जब गाड़ी दौराला स्टेशन पर पहुंची तो कुछ आग दिखाई दी। इसके बाद तुरंत दोनों डिब्बों से यात्री नीचे उतरने शुरू हो गए। कुछ ही देर बाद ट्रेन मे लगी आग ने भयंकर रूप धारण कर लिया। खतौली निवासी अश्वनी, योगेश और अरुण ने बताया कि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जिसे देखकर यात्री दहशत में आ गए। इसके बाद रेलवे कर्मियों ने आग पर काबू पाने का काम शुरू किया। यात्री उतरकर बसों के द्वारा अपने गणतव्य की ओर रवाना हुए। ट्रेन में आग लगने के कारण वह आज ड्यूटी पर नहीं गए वापस अपने घर खतौली लौट आए। कई ट्रेनें हुईं प्रभावित दौराला रेलवे स्टेशन पर सहारनपुर–दिल्ली पैसेंजर में आग लगने के बाद दिल्ली–मेरठ रूट भी प्रभावित हो गया है। सुबह के समय कई महत्वपूर्ण ट्रेन वाया मेरठ होकर देहरादून और दिल्ली के लिए जाती हैं। सबसे महत्वपूर्ण ट्रेन दिल्ली से देहरादून के बीच चलने वाली

शताब्दी है। शताब्दी को मेरठ सिटी स्टेशन पर रोका गया है। वहीं इसके अलावा जम्मू से चलकर वाया मेरठ होकर दिल्ली जाने वाली शालीमार एक्सप्रेस को सकौती स्टेशन पर रोका गया है। वहीं प्रयागराज से चलकर वाया मेरठ, सहारनपुर को जाने वाली नौचंदी एक्सप्रेस को भी सिटी स्टेशन पर रोका गया है। इसके अलावा कई अन्य ट्रेनें भी अभी मुजफ्फरनगर खतौली स्टेशन पर रोकी गई हैं। हवा तेज होने के कारण आग को पूरी तरह बुझाने का कार्य प्रभावित हो रहा है। तीन घंटे से अधिक ठप रहने के बाद दिल्ली मेरठ रेल यातायात खोल दिया गया है। दिल्ली से देहरादून के बीच चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस को सिटी स्टेशन पर एक घंटे 43 मिनट खड़े रखना पड़ा। इसके बाद शताब्दी एक्सप्रेस को अब देहरादून की ओर चला दिया गया है। मेरठ से मुजफ्फरनगर की ओर जाने वाली ट्रेनों का संचालन 10:30 बजे शुरू कर दिया गया। जिसके बाद मेरठ सिटी स्टेशन पर खड़ी शताब्दी और नौचंदी एक्सप्रेस को मुजफ्फरनगर की ओर रवाना किया गया। हालांकि मुजफ्फरनगर की ओर से मेरठ आने वाली ट्रेनों का संचालन अभी शुरू नहीं हो पाया है। अभी तक एक भी ट्रेन सिटी स्टेशन नहीं पहुंची है। खतौली से जनशताब्दी चल पड़ी है। शालीमार एक्सप्रेस भी दो से तीन घंटे लेट है। दिल्ली अंबाला इंटरसिटी भी अभी मुजफ्फरनगर की ओर से नहीं आई है। वहीं उत्कल एक्सप्रेस और सुपर एक्सप्रेस भी कई घंटे की देरी से चल रही है।

यूक्रेन से घर पहुंचे लालः लाडलों का चेहरा देख छलके आंसू : दर्दभरी हैं छात्रों की कहानियां

मेरठ ब्यूरो : यूक्रेन में एमबीबीएस करने गए मेरठ जिले के छात्र–छात्राओं के सकुशल वतन वापसी का सिलसिला तेजी से चल रहा है। बम धमाकों के बीच बंकरों से निकल कर घर पहुंचते ही माइनस–6 डिग्री तापमान में भूखे प्यासे पैदल चलने की थकान छूमंतर हो गई। अभी कई लाडले रास्ते में है, अगले दो–तीन दिन में जिले के अधिकांश बेटे–बेटियों के पहुंचने की उम्मीद है। यूक्रेन की राजधानी कीव की नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस कर रही इंद्रप्रस्थ एस्टेट निवासी श्रुति मलिक शुक्रवार को घर पहुंच गई। उनके पिता राजेश मलिक और माता सुरक्षा मलिक उसे हिंडन एयरबेस लेने गए थे। श्रुति मलिक को देखकर माता–पिता की आंखें छलक आईं और काफी देर तक श्रुति मलिक अपने माता–पिता के गले लगकर भावुक हो गई। श्रुति ने बताया कि 25 फरवरी को कीव में कर्फ्यू लगा दिया था। 28 फरवरी को कर्फ्यू को हटाकर वहां से सभी को पश्चिमी बॉर्डर की तरफ सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा था। वह उसी दिन वहां से निकल गई थी लेकिन, ट्रेनों में भारी भीड़ होने से बैठ नहीं सकी थी। काफी मशक्त के बाद एक ट्रेन में चढ़ी और 17 घंटे की यात्रा के बाद हंगरी बॉर्डर पहुंची। यहां पर भारतीय दूतावास के लोगों ने उन्हें सहायता उपलब्ध कराई ट्रेन से हंगरी की राजधानी बुड़ापेस्ट पहुंचाया। श्रुति के पिता राजेश मलिक ने कहा कि बेटी के सकुशल घर पहुंचने पर बहुत बड़ी राहत मिली है। सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने भी दोपहर में घर पहुंचकर श्रुति का हाल जाना। उनके साथ भाजपा नेता विवेक रस्तोगी और रवीश अग्रवाल भी थे। बुड़ापेस्ट में इंतजार कर रहा विधु यादव रोहटा रोड निवासी विधु यादव दो दिन से बुड़ापेस्ट में वापसी का इंतजार कर रहा है। विधु ने बताया कि यहां भारतीय दूतावास ने छात्रों को रहने और खाने–पीने की सुविधा दे रखी है। लेकिन अभी तक उनके पास वतन वापसी का मैसेज नहीं आया है। उनके साथ ही बाकी छात्र भी एंबेसी के मैसेज का इंतजार कर रहे हैं। पहले कीव और खारकीव में पढ़ रहे छात्रों को वापस लाया जा रहा है। मुश्किलों के बाद स्वदेश लौटे उजैर, परिजनों को मिली राहत हापुड़ रोड भवानी नगर निवासी उजैर शुक्रवार दोपहर स्वदेश पहुंचे। बेटे को देख परिजनों ने राहत की सांस ली। उजैर ने बताया कि वह हंगरी से सुबह 4:30 बजे भारत के लिए फ्लाइट से निकले थे और दोपहर 2:30 बजे वह एयरपोर्ट पहुंचे। यूक्रेन के कीव शहर में एमबीबीएस कर रहे उजैर ने बताया कि कीव में भारतीय दूतावास से उम्मीद के अनुरूप मदद नहीं मिली। कई बार दूतावास के अधिकारियो से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन अपने साथियों के साथ खुद ही शहर छोड़ना पड़ा। कीव से ट्रेन का सफर करके लवीब पहुंचे और वहां से बस के जरिये हंगरी बॉर्डर गए। बॉर्डर पार करने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। घंटो बॉर्डर पर बिताने के बाद देश में प्रवेश मिला, इसके बाद बॉर्डर से ट्रेन के जरिए बुडापेस्ट पहुंचे। देर रात देश लौटीं काजल और मानसी रोहटा रोड निवासी काजल वर्मा और कंकरखेड़ा निवासी मानसी चौधरी रोमानिया से देर रात पहुंच गए। काजल के पिता विनोद वर्मा ने बताया कि शुक्रवार सुबह 11 बजे बेटी विमान में बैठ गई थी। इसके बाद देर रात भारत पहुंची। दोनो ही छात्राएं लवीब से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थी। काफी मुश्किलें झेलते हुए रोमानियां पहुंची। जहां तीन दिन शेल्टर होम में बिताने के बाद भारत के लिए रवाना हुईं। बेटियों को देखकर परिवार के लोगों के खुशी के आंसु छलक पड़े। खारकीव से दिल्ली पहुंच गई मानसी, आज आएंगी मेरठ यूक्रेन और रुस के बीच चल रहे युद्ध में मेरठ के कई बच्चे खारकीव में फंसे रहे। इसमें दिल्ली रोड स्थित सूर्यपुरम निवासी मानसी शर्मा भी खारकीव में फंसी रही। हालांकि, शुक्रवार दोपहर 1.30 बजे वह दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर पहुंचीं। मानसी अपनी साथी छात्राओं के साथ पौलेंड बॉर्डर पर पहुंच गई थी। यहां से उन्हें दिल्ली के लिए रवाना किया गया। वह खारकीव से एमबीबीएस कर रही हैं। उनके पिता सुनीत शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को वह दिल्ली में परिचित के यहां रुक गईं है। शनिवार को मेरठ से दिल्ली जाकर मानसी को मेरठ लाया जाएगा। सुहेब पहुंचा तो परिजनों की आंखें हुई नम मवाना के मोहल्ला काबली गेट निवासी सुहेब पुत्र यूसुफ यूक्रेन से बृहस्पतिवार रात भारतीय सेना की मदद से रोमानिया बॉर्डर से सुरक्षित अपने परिवार में पहुंच गया। सुहेब की सुरक्षित वापसी से परिवार के लोगों की आंखें खुशी के मारे नम हो गई। सुहेब का कहना है कि यूक्रेन का मंजर बहुत ही भयावह है। 6 दिन बहुत ही कष्टदायी बीते। वह करीब चार वर्ष पहले यूक्रेन के पोल्टावा शहर में एमबीबीएस करने गया था। रूस के हमले के बाद से यूक्रेन के शहरों में भगदड़ व दहशत जैसा माहौल है। वह वीडियो कॉल के जरिये परिवार के संपर्क में था। 26 फरवरी को पोल्टावा से 1300 किमी लंबा सफर बस व अन्य प्राइवेट वाहनों से तय कर 28 फरवरी को रोमानिया के बॉर्डर पर पहुंचा। दो दिन इंतजार के बाद तीन मार्च को रोमानिया में प्रवेश किया। जहां से भारतीय सेना की मदद से वह सकुशल अपने देश पहुंच गया। लेकिन छह दिन का सफर बड़ा मुश्किल और परेशानियों भरा रहा। उनके साथ में रह रहे आठ–दस अन्य युवकों के सामने भूखे रहने की नौबत पैदा हो गई थी। धमाकों की आवाजों से नींद गायब हो गई थी। बमबारी से 500 मीटर की दूरी पर था शान मोहम्मद शान मोहम्मद यूक्रेन के शहर पोल्टावा से अपने परिवार के पास लौट आया है। शान मोहम्मद ने बताया कि उसकी इंडियन एयर फोर्स एवं भारत सरकार ने पूरी तरह मदद की है। वह इंडियन एयर फोर्स के विमान से गाजियाबाद पहुंचा। कस्बा निवासी हाजी जरीफ का पुत्र शान मोहम्मद पोल्टावा यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस का अंतिम वर्ष का छात्र है। उसने बताया कि जहां बमबारी हो रही थी, वह वहां से 500 मीटर की दूरी पर था। अलर्ट जारी होने के बाद वह रोमानिया पहुंच गया था। रोमानिया से तीन मार्च को इंडियन एयरफोर्स के विमान से शुक्रवार को करीब 11 बजे गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पर पहुंचा। आर्मी के जवान उसे घर तक पहुंचाने की जिद पर अड़े थे, लेकिन उसने परिवार के लोगों को हिंडन एयरपोर्ट बुलाकर उनके साथ जाने की इच्छा जाहिर की। वह शाम लगभग 4 बजे फलावदा अपने घर पहुंच गया। शान मोहम्मद से मिलकर परिवार के लोग काफी खुश हैं।

माघ मेला 2022 सकुशल पूर्वक सम्पन्न होने पर माघ मेला प्रभारी एसपी डा. मिश्र व अन्य पुलिसकर्मी हुये सम्मानित

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) प्रयागराज में त्रिवेणी के पावन संगम तट पर सबसे बड़े धार्मिक एवम् आध्यात्मिक आयोजन माघ मेला 2022 प्रथम स्नान पर्व मकर संक्रान्ति 14 जनवरी 2022 से प्रारंभ होकर अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि दिनांक 01 मार्च 2022 को सकुशल व निर्विघ्न संपन्न हुआ।इसे सकुशल रुप से सम्पन्न कराने में 'मुख्य रुप से माघ मेला प्रभारी पुलिस अधीक्षक डॉ राजीव नारायण मिश्र व अन्य पुलिस कर्मियों' की सराहनीय भूमिका रही।जिसके चलते माघ मेला प्रभारी डाक्टर मिश्र व उनके टीम को इस सराहनीय योगदान देने वाले पुलिस कर्मियों को उच्चाधिकारियो द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इसी क्रम में मेले को सकुशल एवं निर्विघ्नं रुप से संपन्न कराने में समस्त पुलिस बल को कुशल नेतृत्व प्रदान करते हुए सराहनीय योगदान देने हेतु पुलिस अधीक्षक माघ मेला डॉ राजीव नारायण मिश्र को मंडलायुक्त संजय गोयल आईएएस, अपर पुलिस महानिदेशक प्रेम प्रकाश आईपीएस एवं डॉ राकेश सिंह, पुलिस महानिरीक्षक संयुक्त रूप से एवं जिलाधिकारी प्रयागराज संजय खत्री, आईएएस एवं मेला प्रभारी अरविंद चौहान आईएएस की उपस्थिति में प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।माघ मेला मीडिया सेल के मुताबिक कुल 47 दिन चले इस माघ मेले में गंगा, यमुना तथा अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में पुण्य अर्जन का भाव संजोए देश के कोने कोने से आए करोड़ो श्रद्धालुओं ने आस्था एवं पुण्य की डुबकी लगाई।माघ मेला 2022 में श्रद्धालुओंध् स्नानार्थियों के सुगम आवागमन, सुरक्षित स्नान तथा सुरक्षित प्रवास हेतु समस्त पुलिस प्रबंध सुनिश्चित किए गए। लगभग 641.5 हेक्टेयर में फैले संपूर्ण मेला क्षेत्र को पुलिस व्यवस्था के दृष्टिगत 02 जोन, 05 सेक्टर व 07 सर्किलों में विभाजित कर 13 थानों (01 महिला थाना, 01 जल पुलिस थाना), 13 अग्निशमन केंद्र और 36 चौकियां ब्यवस्थापित की गई। संगम क्षेत्र को झूंसी क्षेत्र से जोड़ने हेतु 05 पांटून पुलों का निर्माण किया गया। श्रद्धालुओं के सुरक्षित स्नान हेतु संगम 24 स्नान व नाव घाट विकसित किया गये। श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन हेतु स्नान घाटों के निकटस्थ ही विभिन्न पार्किंग स्थलों की समुचित व्यवस्था की गयी।मेले को सकुशल संपन्न कराने हेतु 01 पुलिस अधीक्षक, 03 अपर पुलिस अधीक्षक, 10 पुलिस उपाधीक्षक, 19 निरीक्षक व लगभग 5000 पुलिस कर्मियों सहित नागरिक पुलिस, महिला पुलिस, यातायात पुलिस, जल पुलिस, पीएसी, एसडीआरएफ, एलआईयू, एटीएस, रेडियो दूरसंचार, घुड़सवार पुलिस, फायर सर्विस, डॉग स्क्वायड, बीडीडीएस, एएस चेक टीम, पीआरडी, तथा होमगार्डों के जवानों की तैनाती की गई।मेला क्षेत्र में सतर्क दृष्टि, नियंत्रण एवं समन्वय रखने के लिए मेला नियंत्रण कक्ष, 'इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर', सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, वायरलेस ग्रिड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से सम्यक संचार व्यवस्था स्थापित की गई। स्नान घाटों पर 'डीप वाटर बैरिकेटिंग' की गई तथा एकल दिशा मार्ग के लिए 'फ्लोटिंग रिवर लाइन' लगाई गई। स्नान घाटों में बैरिकेटिंग के साथ साथ जल पुलिस,एसडीआरएफ व पीएसी की बाढ़ राहत कंपनियों के जवानों के साथ गोताखोरों की नियुक्ति की गई थी।माघ

मेला 2021–22 में विभिन्न तिथियों में प्रस्तावित कुल 06 स्नान पर्व–मकर संक्रांति पर्व (14/15.जनवरी 2022) पर लगभग 9 लाख, पौष पूर्णिमा पर्व (17 जनवरी 2022) पर लगभग 1.85 लाख, मौनी अमावस्या पर्व (01 फरवरी 2022 पर लगभग 1.05 करोड़, बसंत पंचमी पर्व (05 फरवरी 2022) पर लगभग 15.20 लाख, माघी पूर्णिमा पर्व (16 फरवरी 2022) पर लगभग 10.20 लाख तथा महाशिवरात्रि पर्व (01 मार्च 2022) पर लाखों, साधू सन्यासियों, महंतो, संस्था प्रमुखों, श्रद्धालुओं तथा विशिष्ट महानुभावों द्वारा संगम क्षेत्र में स्नान तथा भ्रमण किया गया। सामान्य दिवसों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का स्नान व आवागमन जारी रहा। माघ मेला के दौरान उच्च न्यायालय के विभिन्न न्यायमूर्तियों तथा विशिष्ट महानुभावों का निर्दिष्ट प्रोटोकॉल तथा सम्यक सुरक्षा प्रदान करते हुए सकुशल आवागमन सुनिश्चित कराया गया।इस माघ मेला क्षेत्र में कोविड–19 संक्रमण को रोकने के उद्देश्य से माघ मेला अवधि के दौरान विभिन्न प्रयास किए गए, जिससे प्रति व्यक्ति घनत्व कम करने के उद्देश्य से स्नान घाटों का विस्तार, समस्त पुलिस कर्मियों की 'निगेटिव' कोविड–19' टेस्ट रिपोर्ट के उपरांत ही मेला क्षेत्र में आमद, मेला क्षेत्र के विभिन्न 17 प्रवेश द्वारों पर स्वास्थ्य एवं पुलिस कर्मियों की संयुक्त कोविड–19 टास्क फोर्स का गठन कर नियुक्ति, समस्त कल्पवासियों का कोविड–19 परीक्षण 'नेगेटिव रिपोर्ट' के उपरांत ही मेला क्षेत्र में प्रवास अनुमन्य करना, समस्त नाविकों एवं मल्लाहों का लाइसेंस निर्गत करते समय ही 'नेगेटिव' रिपोर्ट' लेना, 'पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम' के माध्यम से लगातार श्रद्धालुओं को स्वयं 'कोविड–19 प्रोटोकॉल' का पालन करने हेतु आत्म प्रेरित व जागरूक करना, मास्क वितरण आदि उपक्रम किए गए। माघ मेला क्षेत्र में विभिन्न समयों में 'मास्क' धारण ना करने पर मेला अवधि के दौरान कुल 2528 व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए कुल 2,55,130 रु शमन शुल्क वसूल किया गया।माघ मेला 2022 को सकुशल व निर्विघ्नं संपन्न कराने में आवंटित विभिन्न इकाइयों के समस्त पुलिस बल द्वारा अत्यंत ही निष्ठा पूर्वक अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन किया गया।समस्त अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों के संयुक्त योगदान तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन के फलस्वरूप माघ मेला वर्ष 2021–22 सकुशल एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न हुआ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं को किया जायेगा सम्मानित

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) इस बार आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मनाया जाएगा।इसके उपलक्ष्य में पाँच से 11 मार्च तक जनपद स्तर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । इसके तहत स्थानीय स्तर पर सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाली पंचायत व नगरीय स्थानीय स्वशासन की महिला प्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा महिलाओं की उपलब्धियों, लैंगिक आधारित भेदभाव व हिंसा को खत्म करने संबंधी प्रयासों तथा महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों का सोशल मीडिया कैम्पेन के जरिए व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग उनसे प्रेरणा ले सकें । महिला कल्याण निदेशक मनोज कुमार राय ने इस बारे में सूबे के जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर एक सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं । सप्ताह के पहले दो दिन पाँच व छह मार्च को 'ब्रेक द बायस' इवेंट का आयोजन किया जाएगा । इसके तहत सोशल मीडिया कैम्पेन के जरिए प्रदेश की ऐसी महिलाओं की कहानियों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा जो समाज की रूढ़ियों व पूर्वाग्रहों से संघर्ष कर खुद सफल जीवनयापन कर रहीं हैं और दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी हैं । सात मार्च को 'वूमन ऑफ टुमारो' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके तहत किशोरियों व महिलाओं के साथ उनकी शिक्षा व स्वावलंबन की चुनौतियों पर चर्चा आयोजित की जाएगी।यह कार्यक्रम ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विद्यालय, कालेज, विश्वविद्यालय, आंगनबाड़ी, महिला शरणालय, बालिका गृहों व संरक्षण गृहों आदि के स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आठ मार्च को मेगा इवेंट 'अनंता' का आयोजन किया जाएगा।इसके माध्यम से समाज में बदलाव के लिए प्रयासरत महिलाओं, जैसे– एंटरप्रेन्योरर, उद्यमी, समाजसेवी व समाज की रूढ़ियों व पूर्वाग्रहों से संघर्ष कर सफल जीवनयापन करने वाली महिलाओं की प्रेरक कहानियों को जनपद स्तर पर टीवी, रेडियो, एफएम, कम्युनिटी रेडियो, टाक शो, गोष्ठियों, अखबार आदि के माध्यम से जन–जन तक पहुंचाया जाएगा । जनपद स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की ऐसी महिलाओं को सम्मानित भी किया जाएगा । नौ मार्च को 'गो पर्पल' सोशल मीडिया कैम्पेन चलाया जाएगा । इसके तहत विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों के साथ–साथ कोई भी व्यक्ति महिलाओं के प्रति सम्मान दर्शाने व लैंगिक समानता में अपनी भागीदारी निभाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर पर्पल (बैगनी) कपड़ों, कैप, आर्म रिस्ट बैंड के साथ वाली फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट करेंगे । महिला कल्याण विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को इस गतिविधि में अनिवार्य रूप से भाग लेना है।इसके लिए गो पर्पल हैशटैग का इस्तेमाल किया जा सकता है । 10 मार्च को 'हेल्थ वाच' कार्यक्रम के जरिए महिलाओं व किशोरियों की प्रमुख स्वास्थ्यगत समस्याओं और माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे । इसी क्रम में 11 मार्च को 'सुरक्षा वारियर्स' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा । इसके माध्यम से सभी ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पंचायती राज, स्वास्थ्य, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, ग्रामीण विकास, पुलिस व महिला कल्याण विभाग के समन्वय से परिसरों, ग्रामों, कस्बों, मोहल्लों, रास्तों, क्षेत्र विशेष में महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा के लिहाज से 'जोखिम वाले स्थलों' की पहचान की जाएगी और उसके बारे में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा । इसके अलावा इन्हीं क्षेत्रों से सुरक्षा वारियर्स के रूप में लोगों की पहचान भी की जाएगी।

यूक्रेन में फंसे विद्यार्थियों के परिजनों से मिले भाजपा जिलाध्यक्ष

अयोध्या।(डा. आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता)रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच अयोध्या के छात्र भी यूक्रेन में फंसे हैं।ऐसे में शुक्रवार को भाजपा के जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने छात्रों के घर जाकर परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।इसी कड़ी में उन्होने छात्र सन्नीलाल`ध्व भरतलाल निवासी रहेठ, बीकापुर को ढांढस बंधाते हुए अन्य छात्रों की भी सकुशल वापसी का भरोसा दिलाया। भाजपा के जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरकार पर भरोसा रखें सभी बच्चे अपने घर सही सलामत वापस लाना सरकार की जिम्मेदारी है।भाजपा के जिलाध्यक्ष ने बताया कि यूक्रेन में ऑपरेशन गंगा के तहत छात्रों की वापसी कराई जा रही है। शुक्रवार को छात्रों के घर पहुंचकर उनके परिजनों से मिलते हुए उन्हें ढांढस बंधाया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष के साथ सुनील मिश्रा, पवन चौरसिया भी मौजूद रहे।

विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 के सम्पन्न कराने के लिए जिले में नियुक्त किये गये मतगणना पर्यवेक्षक

अयोध्या।(डा. आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता)विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 के मतगणना प्रकिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जनपद अयोध्या में नियुक्त किये गये मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक एवं मतगणना माइक्रो आब्जर्वर का प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुआ।इस मौके पर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने कहा कि मतगणना के कार्य को त्रुटिविहीन व पारदर्शीता के साथ सभी मतगणना में लगे कार्मिकों के सहयोग से पूर्ण कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम में आपको जानकारी प्रदान की जायेंगी कि किस तरह से मतगणना दिवस के दिन कार्य सम्पादित किया जायेंगा।मतगणना दिनांक 10 मार्च 2022 को प्रातः 8–00 बजे से प्रारम्भ होगी जिसके लिये सभी कार्मिक प्रातः 7–00 बजे तक मतगणना स्थल राजकीय इण्टर कालेज, फतेहगंज, अयोध्या में अपनी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में रिटर्निंग आफिसर को रिपोर्ट अनिवार्य रूप से करेंगे, जिसके पश्चात टेबल संख्या रिटर्निंग आफिसर द्वारा आवंटित किया जायेगा। आवंटित टेबल संख्या पर एक मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक, माइक्रो आर्ब्जवर व चतुर्थ श्रेणी कार्मिक बैठेगे। मख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी कार्मिक श्रीमती अनीता यादव ने बताया कि आज 95 मतगणना पर्यवेक्षक व 95 मतगणना सहायक की प्रथम पाली में एवं 95 माइक्रो आब्जर्वर की द्वितीय पाली में प्रशिक्षण कराया जा रहा है तथा दूसरा प्रशिक्षण 09 मार्च 2022 को प्रदान किया जायेंगा।इस मौके पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह ने प्रशिक्षण के दौरान मतगणना पर्यवेक्षक व मतगणना सहायक को निर्देश देते हुये बताया कि प्रत्येक चक्र में टेबल पर कौन–कौन से बूथ की कण्ट्रोल यूनिट आनी वह प्रति टेबल पर उपलब्ध रहेगी। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी टेबल पर कण्ट्रोल यूनिट को लेकर आयेगा तो कण्ट्रोल यूनिट के कैरीकेश पर लगे बूथ के टैग को देख बूथ का मिलान रिटर्निंग आफिसर द्वारा दी गयी बूथ लिस्ट से करना है। कैरीकेश पर बंधे मतपत्र लेखा को खोलकर मशीन की संख्या एवं लिखे हुये मतों को मतगणना अभिकर्ताओं को बताना है, तद्पश्चात कैरीकेश पर बंधे टैग को दिखाकर अभिकर्ताओं की सहमति के उपरान्त सी०यू० को बाक्स से बाहर निकालना है तथा सी०यू० के निचले हिस्से पर लगी ग्रीन पेपर सील का नम्बर एवं ग्रीन पेपर सील अभिकर्ताओं को दिखानी है। अभिकर्ता सहमत हैं तो पेपर सील को चाकू से काटना है तथा सी०यू० को पीछे से आन करना है और समस्त डिस्प्ले समाप्त होने के पश्चात रिजल्ट सेक्शन खोलकर रिजल्ट बटन दबाना है। उन्होंने माईक्रो आर्ब्जवर को प्रशिक्षण मे बताय कि टेबल पर प्रारूप–17 भाग–2 की दो प्रतियां प्रत्येक बूथ हेतु, गणना तालिका जिसपर बूथवार आवंटित कण्ट्रोल यूनिट का नम्बर होगा, बालपेन नीला रंग व कार्बन पेपर वितरित किया जायेगा। प्रत्येक चक्र में टेबल पर कौन–कौन से बूथ की कण्ट्रोल यूनिट आनी वह प्रति टेबल पर उपलब्ध रहेगी। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी टेबल पर कण्ट्रोल यूनिट को लेकर आयेगा तो कण्ट्रोल यूनिट के कैरीकेश पर लगे बूथ के टैग को देख बूथ का मिलान रिटर्निंग आफिसर द्वारा दी गयी बूथ लिस्ट से करना है (सी0यू0 में लगी सीलों की जाँच करना)। तत्पश्चात दिये गये निर्धारित प्रारूप पर टेबल संख्या, चक्र संख्या विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम, कण्ट्रोल यूनिट की संख्या व बूथ की संख्या व नाम भरना है तद्पश्चात प्रारूप के कालम–2 में सी०यू० से प्राप्त प्रत्याशीवार एवं नोटा के मतों को भरना है तथा निर्धारित प्रारूप की दो प्रतियों में भरना है। उसके बाद निर्धारित प्रारूप की दोनों प्रतियों पर हस्ताक्षर कर एक मूल प्रति माननीय प्रेक्षक के पास जायेगी और एक कार्बन प्रति स्वयं के पास सुरक्षित रखी जायेगी।

मण्डलायुक्त की मतगणना सम्बंधित समीक्षा बैठक सम्पन्न

अयोध्या।(डा. आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता)मण्डलायुक्त नवदीप रिणवा व पुलिस महानिरीक्षक के0पी0 सिंह की अध्यक्षता में गूगलमीट के माध्यम से मतगणना की तैयारी/ मतगणना के पश्चात शांति–व्यवस्था व होली के पर्व की तैयारी के सम्बंध में समीक्षा दिनांक 7 मार्च 2022 को सायं 4 बजे की जायेगी।समीक्षा में मतगणना/ मतगणना के पश्चात शांति–व्यवस्था के सम्बंध में की गयी तैयारियां, होलिका दहन की संख्या तथा होली के जुलूसों की संख्या का विवरण, पिछले पांच वर्षो में घटित घटनाओं का विवरण, क्या क्या आयोजन किये जाते है का संक्षिप्त विवरण, पीस कमेटी मीटिंग का संख्यात्मक विवरण, होली त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए जनपद स्तर पर तैयारियों का विवरण सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी। गूगलमीट के माध्यम से आयोजित किये जाने वाली गोष्ठी में पूर्ण तैयारियों के साथ समय से प्रतिभाग करें। गूगलमीट का लिंक गोष्ठी के एक घंटे पूर्व व्हाटसअप ग्रुप के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त जानकारी पुलिस महानिरीक्षक अयोध्या परिक्षेत्र अयोध्या द्वारा दी गयी है।

23 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जिले के कैंट कोतवाली अंतर्गत मिर्जा अली बाजार निवासी 23 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की।इस मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार फरजाना पत्नी मुजम्मिल आयु 23 वर्ष निवासी मिर्जा अली बाजार कैंट कोतवाली जनपद अयोध्या ने बीती रात लगभग आठ बजे अज्ञात कारणों के चलते घर में फांसी लगा लिया।इस घटना की सूचना पर पति द्वारा रात्रि लगभग 8:30 बजे जिला चिकित्सालय लाया गया जहां इमरजेंसी ड्यूटी कर रहे डॉक्टर अनिल वर्मा द्वारा फरजाना को मृतक घोषित कर शव को मोर्चरी में रखवा ना चाहा कि पति द्वारा शव लेकर चले जाने पर ड्यूटी कर रहा है फार्मेसिस्ट हनुमंत दुबे द्वारा परिजनों द्वारा शव लेकर भाग जाने की सूचना रात्रि 9:00 बजे कोतवाली नगर पुलिस मेमो भेज कर दी गई वही कैंट इंस्पेक्टर अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि शव को आज पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है अभी किसी प्रकार की तहरीर पुलिस को नहीं मिली है।

31वां वार्षिक एथलेटिक मीट एवं गेम का हुआ भव्य उद्घाटन

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी बीकापुर संवाददाता)आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के 31वें वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आज दिनांक 4/3/2022 को प्रारंभ हुई ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति, डॉ बिजेंद्र सिंह द्वारा ध्वजारोहण राष्ट्रगान के पश्चात् मार्च पास्ट की सलामी एवं हवा में गुब्बारे छोड़कर खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ विधवत् भव्य रुप से किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ सिंह ने कहा की खेल कूद जीवन की दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण अंग तो है ही, इससे शारीरिक व मानसिक विकास के साथ–साथ अनुशासन एवं राष्ट्रीयता की भावना भी विकसित होती है, जो किसी भी राष्ट्र के विकास की धुरी है।31वीं खेलकूद प्रतियोगिता विश्वविद्यालय द्वारा अब तक आयोजित प्रतियोगिताओं से बिल्कुल भिन्न है, कुलपति ने बताया कि छात्रों के बीच टीम भावना के विकास को बल देने के लिए इकाइयों के अलग–अलग हाउस बना कर अलग–अलग रंग निर्धारित कर देने से खेल मैदान स्वतः अनेकता में एकता का बोध करा रहा है। इस अवसर पर प्रतियोगी खिलाड़ियों को खेल नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलाई गई।शुक्रवार को आयोजित हुए 200 मीटर रेस में प्रथम धीरेंद्र कुमार शुक्ला, द्वितीय अंकित सिंह एवं तृतीय शिवम ,शाट पुट में प्रथम आयुष कुमार गोडवाल, द्वितीय मनोज यादव,तृतीय करूणा शंकर सिंह, लांग जंप में प्रथम अभिषेक मिश्रा, द्वितीय श्याम सिंह ,तृतीय प्रियांश द्विवेदी, महिला वर्ग में शॉट पुट प्रथम गोल्डी यादव, द्वितीय विष्णुप्रिया, तृतीय नंदिनी सिंह, लांगजंप प्रथम अनुष्का सिंह, द्वितीय शिवानी यादव, तृतीय गोल्डी यादव आदि को विश्वविद्यालय की प्रथम महिला श्रीमती मीना सिंह एवं कुलपति ने विजयी प्रतियोगियों को विक्ट्री स्टैंड पर माला पहना कर सम्मानित किया। 31वें वार्षिक खोलकूद प्रतियोगिता के एथलेटिक प्रेसिडेंट एवं मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि समारोह में विश्विद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, एसबीआई बैंक के शाखा प्रबंधक भास्कर पांडे, डीएवी स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती पुष्पा कुमारी आदि उपस्थित रहे। खेल को सफलतापूर्वक संचालित किए जाने में आयोजन समिति के समस्त सदस्य पूरे तन मन से अपना योगदान दे रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक प्रतियोगिता जारी है।

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी राम लखन चौहान को दी गयी श्रद्धांजलि

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता अयोध्या)नमक सत्याग्रह आन्दोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी राम लखन चौहान के श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन उनके जन्म स्थली ग्राम रामदत्तपुर अटरावां में जग प्रसाद चौहान द्वारा किया गया।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह 'रोहित' द्वारा सेनानी की प्रतिमा और उनके समाधि पर उन्हें पुष्प अर्पित करके भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गयी।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सेनानी के सुपौत्र रामानन्द चौहान द्वारा की गयी।जबकि व्यवस्थापक के रूप में सेनानी सुपौत्र दयानन्द चौहान, सूरज चौहान व गया प्रसाद ने अहम भूमिका निभाई।इस कार्यक्रम मे उपस्थित सुधरा देवी,ऊदल यादव प्रधान प्रतिनिधि अटरावां, राज करन पूर्व ग्राम प्रधान, देवता पटेल जिला पंचायत सदस्य पूरा तृतीय, रंजीत चौहान पत्रकार अमर सिंह, सालिक राम चक्रवर्ती, कर्मजीत सिंह व केशव बिगुलर , मनोज मेहरोत्रा व भरतलाल, राम सजीवन, इन्द्रपति चौहान, राम अछैवर मौर्य, जगदेव मौर्य, राजू यादव, राम कमल यादव, अशोक सिंह, जियाराम मौर्य, सुन्दर गौड़, शिवभजन गौड़, मधुर श्रीवास्तवा, अभिषेक मौर्य, अवनीश, विवेक मिश्रा,महंत पवन कुमार ने भी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

भुक्तभोगी चीफ अभियंता नलकूप पूर्व ने सीएम पोर्टल पर की शिकायत

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता अयोध्या)मुख्य अभियंता नलकूप पूर्व ने अधीक्षण अभियंता नलकूप मंडल अयोध्या के कार्यालय पर कब्जा करने की शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की गई है।सूत्र के मुताबिक भुक्तभोगी एफसीआई उप्र के राज्य सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य रहे शैलेंद्र रावत ने शिकायत में कहा है कि यह कार्यवाही उसी दिन 28 फरवरी 22 को की गई जब अधीक्षण अभियंता अशोक कुमार सेवानिवृत्त हुए। रावत का आरोप है कि सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता ऐसी हरकत अपनी हनक दिखाने के लिए किए हैं।जबकि 1965 से ही हनुमानगढ़ी सिविल लाइन अयोध्या के समीप मंडलीय कार्यालय कार्यरत है।उनके मुताबिक आरोप है कि कब्जा किए जाने से रमना कालोनी में जनप्रतिनिधियों के आवागमन में असुविधा होगी।शैलेंद्र रावत ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाए।

विवाहिता ने शारदा नहर में लगाई छलांग

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता अयोध्या)जिले के मवई थाना क्षेत्र में 25 साल की विवाहिता सुनीता ने शारदा नहर में गुरुवार को छलांग लगा लिया।इस घटना के समय उसकी मां कुछ दूरी पर थी।सूत्र के मुताबिक नहर के पास चप्पल मिले।इस घटना की सूचना मिलते ही 10 से ज्यादा गोताखोर और एसडीआरएफ की टीम विवाहिता की तलाश करने में जुट गई।जबकि उस महिला का पति कन्हैया इस समय सूरत में रह कर मजदूरी करता है।मिली जानकारी के मुताबिक जिले के मवई थाना क्षेत्र के ग्राम नूर अली पुर मजरे नेवरा की एक विवाहिता ने शारदा नहर में छलांग लगा दी।इसकी सूचना पाकर स्थानीय पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी। ग्राम नूरअलीपुर मजरे नेवरा के सुरेश रावत की पुत्री सुनीता 25 वर्ष का विवाह कोतवाली रूदौली के ग्राम चका मजरे सरैठा से हुआ था।सुनीता की करीब 6 माह की एक पुत्री भी है। उसका पति कन्हैया इस समय सूरत में रह कर मजदूरी करता है।सुनीता अपने मायके नूरअली पुर में रहती थी।स्थानीय लोगों के मुताबिक वह मानसिक रूप से परेशान थी,पुलिस के अनुसार उसका झाड़–फूंक चल रहा था।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक नीरज सिंह ने बताया कि गुरुवार को सुनीता अपने घर से निकल कर शारदा सहायक नहर की तरफ जा रही थी।पीछे से सुनीता की मां भी थी।ग्राम नेवाजपुर के सामने शारदा सहायक नहर की पटरी पर सुनीता चढ़ी।उसके बाद जब उसकी मां नहर के किनारे पहुंची तो देखा कि सुनीता के चप्पल नहर के किनारे पड़े हैं और वह उसी जगह से लापता है।इस पर मां को शंका हुई कि शायद सुनीता नहर में कूद गई है।आसपास के लोग भी वहां पहुंच गये।इस घटना की सूचना मिलते ही सीओ रुदौली सुरेंद्र प्रताप तिवारी, प्रभारी निरीक्षक मवई नीरज सिंह,एसएसआई आरसी यादव,उप निरीक्षक कर्मवीर सिंह,उप निरीक्षक फरीद खां भी वहां पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की मदद से नहर में जाल डाल कर सुनीता की तलाश शुरु की। अभी तक उसका पता नही चल सका।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सुनीता मानसिक रुप से बीमार थी उसका झाड़–फूंक का इलाज चल रहा था।

टूटी पुलिया की रेलिंग से जान जोखिम में डालकर निकलने को राहगीर मजबूर

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी बीकापुर संवाददाता)जिले के रुदौली तहसील क्षेत्र के रौजागांव अलियाबाद मार्ग पर रौजागांव बाजार कट मोड़ के निकट खतरनाक टूटी पुलिया से राहगीर अपनी जान जोखिम में डालकर निकलने को मजबूर हैं। पीडब्लूडी विभाग लापरवाह बना हुआ है।रौजागांव अलियाबाद के इस मार्ग पर ऑटो व फोर व्हीलर वाहनों का आवागमन अधिक रहता है और शाम होते ही इस मार्ग से होकर निकलने वाले साइकिल व बाइक चालक इस पुलिया से गिर कर चोटिल होते रहते हैं।जबकि इस मार्ग से अकसर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का भी आना जाना लगा रहता है।ग्राम सभा रौजागांव प्रधान अखलेश लोधी,मंजूर अहमद,राम सजीवन यादव,श्रीकृष्ण दास लोधी,मुसीबत अली,हीरालाल रावत,आफाक, जियाउद्दीन,मोहम्मद,अकलीम व रामनेवाज सहित दर्जनों की संख्या में मौजूद ग्रामीणों का कहना है की लगभग दस वर्षों से टूटी हुई इस पुलिया की रेलिंग से न जाने कितने लोग गिर कर चोटिल हुए होंगे और अभी भी लगातार हो रहे हैं ग्रामीणों ने कहा कि पीडब्लूडी विभाग से इसकी कई बार शिकायत की गई लेकिन विभाग ने जनता की इस कठिन समस्या की ओर अभी तक कोई ध्यान नही दिया।इन ग्रामीणों ने कहा कि अभी देखो इस टूटी पुलिया की रेलिंग से कितने और राहगीर गिरकर चोटिल होते हैं।इन लोगों ने कहा कि लगभग दस साल बीत गया लेकिन इस टूटी पुलिया की रेलिंग बनवाने के लिए विभाग से लेकर कोई भी जनप्रतिनिधि सामने नही आया।ग्रामीणों ने कहा कि भाजपा से लगातार 10 वर्ष से विधायक रहे रामचन्द्र यादव से भी इस टूटी पुलिया की रेलिंग बनवाने के लिए कहा गया लेकिन इस ओर विधायक ने भी ध्यान नही दिया।वहीं जब अवर अभियंता निर्माण खण्ड अयोध्या मिथलेश कुमार इस इस पुलिया टूटी रेलिंग के बाबत बात की गई तो उन्होंने कहा की जांच करवाया जाएगा।पीडब्लूडी विभाग के अधिकारियों का यही रटा रटाया जवाब रहता कि जांच कराकर कार्य कराया जाएगा।

सम्पादक मंडल

पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी

प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"

पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0

लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से मेंं0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक

श्रीमती हेमा त्रिपाठी

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**

deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।